

ग्रामोदय संकल्प



श्री गिरिराज सिंह
केन्द्रीय पञ्चायति राज & ग्रामोदयन मंत्री



श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



मि: कपिल मोरेश्वर पाठिल
केन्द्रीय प्रतिमन्त्री, पञ्चायति राज

पञ्चायतगुलिते टेकसई उन्नयन लक्ष्य स्थानीयकरण



सशक्त पंचायत सतत् विकास



এই সংস্করণে

- টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্য: বিশ্বব্যাপী চিত্রা করুন স্থানীয়ভাবে কাজ করুন
- সাংসদিক রাষ্ট্রীয় পঞ্চায়েত পুরস্কার
- টেকসই উন্নয়নের স্থানীয়-করণ: শিক্ষাগত লক্ষ্য

ভারতের রাষ্ট্রপতি স্বচ্ছ ভারত দিবস উদযাপনের প্রশংসা করেছেন

সরকার প্রতিটি বাড়িতে কলের জল, টয়লেট এবং বিদ্যুৎ দেওয়ার লক্ষ্য অর্জনের জন্য
আন্তরিকভাবে কাজ করছে:
শ্রী গিরিরাজ সিং, পঞ্চায়েতি রাজ ও গ্রামীণ উন্নয়নের কেন্দ্রীয় মন্ত্রী



ভারতের রাষ্ট্রপতি, শ্রীমতি দ্রৌপদী মুর্মু, ২রা অক্টোবর ২০২২ সালের গান্ধী জয়ন্তীতে নয়াদিল্লিতে স্বচ্ছ ভারত দিবস উদযাপনের জন্য জলশক্তি মন্ত্রক আয়োজিত অনুষ্ঠানে উপস্থিত ছিলেন। তিনি বিভিন্ন বিভাগে স্বচ্ছ সার্ভেফন গ্রামীণ পুরস্কার প্রদান করেন।

অনুষ্ঠানে রাষ্ট্রপতি জাতির পিতা মহাত্মার প্রতি শ্রদ্ধা নিবেদন করেন

গান্ধী। তিনি বলেন, গান্ধীজির চিন্তা চিরন্তন। সত্য ও অহিংসার মতো তিনি পরিচ্ছন্নতার ওপরও জোর দেন। পরিষ্কার-পরিচ্ছন্নতার বিষয়ে তাঁর সংকল্পের লক্ষ্য ছিল সামাজিক বিকৃতি দূর করা এবং একটি নতুন ভারত গড়ে তোলা। অতএব, স্বচ্ছ ভারত দিবস হিসাবে তাঁর জন্মদিন উদযাপন করা তাঁর প্রতি সত্যিকারের শ্রদ্ধা। রাষ্ট্রপতি উল্লেখ করেছেন যে ২০১৪ সালে স্বচ্ছ ভারত মিশন-গ্রামীণ চালু হওয়ার পর থেকে, ১১ কোটিরও বেশি টয়লেট তৈরি করা হয়েছে এবং প্রায় ৬০ কোটি মানুষ তাদের খোলা মলত্যাগের অভ্যাস পরিবর্তন করেছে। তিনি আনন্দ প্রকাশ করেছেন যে এই মিশনের মাধ্যমে ভারত ২০৩০ সালের সময়সীমার এগারো বছর আগে জাতিসংঘের টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্য নম্বর ৬ অর্জন করেছে।

কেন্দ্রীয় পঞ্চায়েতি রাজ ও গ্রামোন্নয়ন মন্ত্রী শ্রী গিরিরাজ সিংও অনুষ্ঠানে উপস্থিত ছিলেন। স্বচ্ছ ভারত মিশন-গ্রামীণ সম্পর্কে বলতে গিয়ে তিনি বলেছিলেন যে প্রধানমন্ত্রী শ্রী নরেন্দ্র মোদীর নির্দেশনায় ১১ কোটিরও বেশি টয়লেট তৈরি করা হয়েছে এবং ১০ কোটিরও বেশি কলের জলের সংযোগ দেওয়া হয়েছে গ্রামীণ পরিবারগুলিতে। কেন্দ্রীয় মন্ত্রী বলেছেন যে ভারত কাজ করছে। জন ভাগিদারী আন্দোলনের মাধ্যমে স্বচ্ছ ভারতের লক্ষ্য অর্জনের দিকে। তিনি যোগ করেছেন যে স্বচ্ছতার জন্য এই জন আন্দোলন দেশের প্রতিটি কোণে এবং কোণে পৌঁছানো উচিত। শ্রী সিং বলেছেন, সরকার প্রতিটি বাড়িতে কলের জল, টয়লেট এবং বিদ্যুৎ দেওয়ার লক্ষ্য অর্জনের জন্য আন্তরিকভাবে কাজ করছে।

সচিব, পঞ্চায়েতি রাজ, শ্রী সুনীল কুমার তার ভাষণে বলেছিলেন যে জনগণের অংশগ্রহণ জল জীবন মিশন এবং ওডিএফ প্রাসের সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ দিক। তিনি বলেন, এই দুটি প্রকল্পের রক্ষণাবেক্ষণের দায়িত্ব গ্রাম পঞ্চায়েতদের। তিনি বলেন, সেবা প্রদানকারীর দ্বারা প্রদত্ত ভাল পরিষেবা প্রদান করা হলে জনগণ সার্ভিস চার্জ দিতে প্রস্তুত। তিনি বলেছিলেন যে পঞ্চায়েতগুলি এগিয়ে আসছে এবং রাজ্য কর্তৃপক্ষকে জড়িত করেছে এবং বাসিন্দাদের সর্বোত্তম উপায়ে এই পরিষেবাটি সরবরাহ করার জন্য প্রস্তুত হচ্ছে।

सूचपित्र

प्रधान सम्पादक:

सुनील कुमार, आई.ए. एस.

सचिव, पकायेत विद्यालय

सम्पादक:

डा: बजिष् कुमार बाहेरो, I.E.S.

सहायक सचिव, पकायेत विद्यालय

सहयोगिता :

आलोक पान्ड्य

अ.ए.जन.कि.मार.त.वि.या.वि.

3



मन्त्री बार्ता

4



प्रतिमन्त्री बार्ता

5



सचिव बार्ता

16



शिकार जना टेकसई उमरन लका स्थानीकरण

20



जातीय पकायेत पुरकार संस्कार करा वयेछे

24



पकायेते विषयतिष्ठिक पद्धति माथामे टेकसई उमरन लकामाद्वारा (एल.एस.डि.जि) स्थानीकरण उपर 2 दिनेर जातीय कर्मशाला

31



मयाथ्या गाडी आन्तराजिक पुरकारे सम्मानित

भारतेर राष्ट्रपति सजे भारत दिवस उदघापनेर प्रशंसा करेछेन

01

स्थानीय उमरनके पुनर्जातिवित करार जना SDO- एर स्थानीकरण वल: पकायेतेर जना स्थानीय निर्देशक काठामो (LAF) एवम् ज्योशबोर्ड

12

पकायेतकुनिडे टेकसई उमरन लकाकुनिर स्थानीकरणेर दिके थारो

22

टेकसई उमरनेर जना जातिसंघेर एजेन्डा 2030 उपलब्धि करा दारिमयुक्त ग्राम पकायेत निरे जातीय कर्मशाला

27

GIRIRAJ SINGH



सत्यमेव जयते

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव

ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
MINISTER OF
RURAL DEVELOPMENT AND PANCHAYATI RAJ
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

बार्ता

पञ्चायेत राजे मन्त्रालय 'ग्रामोदयसंकल्प' म्यागाजिनेर 13तम संख्या 'पञ्चायेते टेकसई उन्नयन लक्ष्यगुलिर् स्थानीयकरण' थिम सह प्रकाश करछे जेने आमि अत्यन्त आनन्दित।

टेकसई उन्नयनेर जन्य 2030 विषयसूचि स्थावरकारी हिसाबे, भारत 17टि टेकसई उन्नयन लक्ष्य अर्जनेर जन्य प्रतिश्रुतिबद्ध। भारत सरकार 2030 विषयसूचि एवं जातीय उन्नयन लक्ष्य एवं "साब का साथ, साब काभिकास" वा "सवार साथे एवं सवार जन्य" एर अन्तर्भुक्त उन्नयन नीतिर प्रति दृढ प्रतिश्रुतिबद्ध।

प्रदन्त ये भारतेर प्राय 68% ग्रामीण भारत, एवं महात्मा गान्धीजिर् कथा-भारतेर हृदय ग्रामगुलिते अवस्थित, जातीय स्तरे टेकसई उन्नयन लक्ष्य अर्जनेर जन्य ग्रामगुलिर् मूल स्तर उपादाने पदक्षेपेर् प्रयोजन हवे वा पञ्चायेते रयेछे। स्तर दारिद्र्यमुक्त एवं उन्नत जीविका, स्वास्थ्यकर, शिशुवाक्वब, जल पर्याप्त, परिच्छन्न ओ सबुजे, स्वयंसम्पूर्ण अवकाठामो, सामाजिकभावे निश्चित करार जन्य 9टि थिमेर अधीने अन्तर्भुक्त 17टि टेकसई उन्नयन लक्ष्यगुलिर् उपर दृष्टि निबद्ध करे समन्वित ग्रामीण उन्नयने पञ्चायेतगुलिर् एकटि गुरुत्वपूर्ण भूमिका रयेछे। 2030 सालेर् टार्गेटि बहरेर मध्ये सुरक्षित एवं सामाजिकभावे न्याय, सुशासित एवं नारीवाक्वब ग्राम। ग्रामोदय संकल्पेर् एहि संख्याटि SDG गुलिर् स्थानीयकरणेर् दिक्निर्देशनाय धारणा, रोडम्याप, कर्म परिकल्पना एवं अर्जनगुलिके अन्तर्भुक्त करे।

आमि निश्चित ये ग्रामोदय संकल्पेर् एहि इस्य, एर स्थानीयकरणेर् उपर भित्ति करे

पञ्चायेतगुलिते टेकसई उन्नयन लक्ष्यगुलि, पञ्चायेत, निर्वाचित पञ्चायेत प्रतिनिधि एवं पदाधिकारीदेर् पाशापाशि साधारण जनगणेर् जन्य स्थानीय पद्धतिर साथे एहि विश्वव्यापी विषयसूचि बोझार जन्य कार्यकर हवे एवं तारा एटि अर्जनेर जन्य एगिये यावे।


(गिरिराज सिंह)

Office : 'G' Wing, Ground Floor, Krishi Bhawan, New Delhi-110001, Tel.: 011-23383548, 23782373, 23782327, Fax : 011-23070309
Resl.: 27, Lodhi Estate, New Delhi, Ph.: 011-24626783, 24655677

कपिल मोरेश्वर पातिल
राज्योत्तर मन्त्री
पञ्चायति राज मन्त्रक



KAPIL MORESHWAR PATIL
MINISTER OF STATE
MINISTRY OF PANCHAYATI RAJ
GOVERNMENT OF INDIA



बार्ता

एटा खुबई आनन्देर विषय ये ' ग्रामोदय संकल्प'-एर 13तम संख्या पञ्चायत राज मन्त्रक 'पञ्चायते टेकसई उन्नयन लक्ष्यगुलिर स्थानीयकरण' थिमे प्रकाश करछे। टेकसई उन्नयनेर जन्य 2030 विषयसूचि स्थावरकारी हिसाबे, भारत 17टि टेकसई उन्नयन लक्ष्य अर्जनेर जन्य प्रतिश्रुतिबद्ध। भारतेर प्राय 68% ग्रामे बास करे एई सत्यटि स्वीकार करे, टेकसई उन्नयन लक्ष्यमात्रा अर्जनेर जन्य मूल स्तर उपादान पर्याये पदक्षेपेर प्रयोजन हबे अर्थात् पञ्चायति राज प्रतिष्ठानेर माध्यमे SDG गुलिर स्थानीयकरण।

एई निर्देशे, पञ्चायति राज मन्त्रक ग्रामीण स्थानीय संस्थागुलिर जन्य SDG-एर स्थानीयकरणेर विषयगत काठामो ग्रहण करेछे तादेर दृष्टि अर्जन करते एवं दारिद्र्यमुक्त एवं उन्नत जीविका निर्माण करार जन्य पञ्चायतगुलि असमता एवं अविचारेर विरुद्धे लड़ाई करार समय जलेर प्राप्यतार साथे स्वास्थ्यकर जीवन निश्चित करे एवं काज करे। ग्रामीण भारते 2030 सालेर मध्ये जलवायु परिवर्तनेर ऋतिकर प्रभाव एवं 'असुर्भुक्तिमूलक उन्नयन' निश्चित करार। ग्रामोदय संकल्पेर एई संख्याटि SDG गुलिर स्थानीयकरणेर दिक्निर्देशनाय धारणा, रोडम्याप, कर्म परिकल्पना एवं अर्जनगुलिके असुर्भुक्त करे।

आमि निश्चित ये LSDG-एर उपर भित्ति करे ग्रामोदय संकल्पेर एई इस्युटि पञ्चायत, निर्वाचित पञ्चायत प्रतिनिधि एवं पदाधिकारीदेर पाशापाशि साधारण जनगणेर जन्य उपयोगी हबे।

(कपिल मोरेश्वर पाटील)

Office: Room No. 392, 'E' Wing, 3rd Floor, Krishi Bhawan, New Delhi-110001
Residence: 05, Duplex North Avenue, New Delhi-110001
Phone: 011-23782143, 23782548, 23782518 E-mail Id: mospanchayatiraj@gmail.com

सुनील कुमार, आई.ए.एस.
सम्पादक

Sunil Kumar, IAS
Secretary



भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड,
कृषि भवन, नई दिल्ली-110001

Government of India
Ministry of Panchayati Raj
Dr. Rajendra Prasad Road,
Krishi Bhawan, New Delhi-110001



बार्ता

ग्रामोदयेर १७ तम संख्यार कथा जेने आमी आनन्दित संकल्ल म्यागाजिन 'टेकसई उमयन लक्ष्यमात्रार स्थानीयकरण' (LSDGs) विषये मन्त्रालयेर उद्योग एवं प्रचेष्टार जना निवेदित येथाने पंक्षायेतगुलि प्रधान सक्रिय अंशीदार हवे।

टेकसई उमयन लक्ष्यमात्रा (SDGs) हल सवार जना एकटि भालो, आरओ न्यायसङ्गत एवं टेकसई भविष्य अर्जनेर नीलनकशा। टेकसई उमयनेर जना 2030 विषयसूचि अंश हिसाबे 2015 साले 17 टि SDG एवं 169टि सम्पर्कित लक्ष्यगुलि गृहीत हयेछिल एवं समस्त जातिसंघेर सदस्य राष्ट्र द्वारा स्वाङ्कुरित हयेछिल। भारत सरकार जातिसंघेर टेकसई उमयन परिकल्पना 2030 विषयसूचि ते स्वाङ्कुरकारी।

प्रदत्त ये भारतेर प्राय 68% ग्रामीण एलाकाय बास करे, जातीय स्तरे टेकसई उमयन लक्ष्य अर्जनेर जना पंक्षायेति राज् प्रतिष्ठानेर (PRIs) माध्यामे मूल स्तर उपादान पर्याये पदक्षेपेर प्रयोजन हवे। जाई, SDG- एर स्थानीयकरणे PRIs विशेष करे ग्राम पंक्षायेतगुलि र भूमिका अत्यन्त गुरुत्वपूर्ण। तदनुसारे, पंक्षायेति राज् मन्त्रालय SDC- एर प्रति विषयभित्तिक पन्हा ग्रहण करेछे येथाने समस्त 17 टि SDG- के 9 टि थिमे पुनःगोष्ठीभुक्त कर हयेछे। एहि थिमगुलि र प्रत्येकटि एकाधिक SDG- के कभार करे, यार अर्जन निर्भर करे विभिन्न मन्त्रकेर माध्यामे तादेर सम्मिलित पदक्षेपेर उपर किम एवं प्रोग्राम।

तुणमूल स्तरे SDG अर्जनेर जना पंक्षायेतगुलि र सङ्कमता तैरि करेते एवं तादेर सञ्जाव्य समस्त संस्थान दिये सञ्जित करार जना मन्त्रकेर तरफ थेके क्रमागत एवं समन्वित पदक्षेप नेओया हयेछे एवं नतून पदक्षेप नेओया हयेछे।

राष्ठीय ग्राम स्वराज् प्रकल्पेर केन्द्रबिन्दु अभियान (RGSA) पंक्षायेति राज् प्रतिष्ठानगुलिके स्थानीय स्वशासनेर प्राणवस्तु केन्द्र हिसाबे पुनर्गठन करेछे एवं केन्द्रीय मन्त्रक एवं राज्य लाइन विभाग एवं अन्याना स्टेकहोल्डारदेर साथे 'समग्रेर' साथे समन्वित एवं सहयोगितामूलक प्रचेष्टार माध्यामे विषयभित्तिक पद्धति ग्रहण करे मूल उपादान स्तरे SDG बास्तवायित करार उपर विशेष फोकस करेछे। सरकार' एवं 'समस्त समाज' पद्धति।

मूल उपादान स्तरे स्टेकहोल्डारदेर दृष्टि आकर्षण करार जना केन्द्रीय मन्त्रक, राज्य सरकार, ईडुएन एजेन्सि, शिक्षा प्रतिष्ठान, CSO एवं अन्यानादेर साथे एकत्रे काज करे SDG- एर स्थानीयकरणेर प्रक्रियाके एगिसे नेओयार जना धाराबाहिक हस्तक्षेप कर हयेछे।

ग्रामोदयेर एहि संख्याय संकल्ल, टेकसई उमयन लक्ष्यगुलि र स्थानीयकरणेर उपर तथ्यामूलक एवं संक्षिप्त निबन्धगुलि समस्त स्टेकहोल्डारदेर संवेदनशील करार जना LSDG- ते MoPR द्वारा आयोजित ईवेन्टगुलि र तथ्या सह अन्तर्भुक्त कर हयेछे।

आमी आशा करि एहि समस्याटि पंक्षायेत प्रतिनिधि, कर्मिआ एवं ग्रामीण जनसाधारणके LSDG सम्पर्के जानते एवं ग्राम पर्याये LSDG लक्ष्यमात्रा अर्जने सहायक हवे।

(सुनील कुमार)

টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্য: বিশ্বব্যাপী চিন্তা করুন, স্থানীয়ভাবে কাজ করুন

- ধারণা: জনাব এস এম বিজয় আনন্দ ১
- বক্তৃতা রচনা: ডঃ আর.কে. রমেশ ঘ

টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যমাত্রা (SDGs) হল অত্যন্ত উচ্চাভিলাষী উন্নয়ন লক্ষ্য যা মানবজাতি নিজের জন্য নির্ধারণ করে। এটি সমগ্র মানবতাকে জুড়ে দেয়। 17টি গোল আছে। তারা ক্রস-সেক্টরাল। তারা পরস্পর সংযুক্ত, এবং তারা 'বিশ্বব্যাপী চিন্তা করুন এবং স্থানীয়ভাবে কাজ করুন' এর দর্শনকে মূর্ত করে তোলে। যদিও এটি আন্তর্জাতিকভাবে সিদ্ধান্ত নেওয়া হয়েছে এবং ভারত দ্বারা অনুসমর্থন করা হয়েছে, তবে মূলত গ্রাম পঞ্চায়েতের স্তরে কাজটি শুরু করা উচিত। এখন আমাদের জন্য স্পষ্ট লক্ষ্য নির্ধারণ করা হয়েছে। লক্ষ্যমাত্রা নির্ধারণ করা হয়। সেখানে মূলত জাতীয় লক্ষ্য থাকবে তারপর রাজ্যগুলিতে নামিয়ে আনা হবে, তারপর সমন্বিত কর্মক্ষমতাও নির্ধারণ করা হবে। এটি একটি প্রক্রিয়া কিন্তু যখন একটি গ্রাম পঞ্চায়েত শুরু হয় তখন আমাদের এই ধরনের জিনিসগুলি দেখতে হবে না। আসুন আমরা বিভিন্ন লক্ষ্যের বিষয়ে আমরা কী করতে পারি সেদিকে ফোকাস করি।

টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যমাত্রার বিশেষত্বের মধ্যে অনেক অদৃশ্যতা রয়েছে, আমাদের তাদের বলা উচিত। (1) তারা সর্বজনীন। কাউকে পিছিয়ে রাখা উচিত নয়। সুতরাং এটি আমাদের অন্ত্যাদয়ের জাতীয় দর্শনের সাথে সামঞ্জস্য রেখে শেষ ব্যক্তির কাছে পৌঁছানোর সম্পূর্ণ কভারেজ যা দরিদ্রতম এবং সবচেয়ে দূরবর্তী ব্যক্তির কাছে পৌঁছানোর জন্য একটি গান্ধীবাদী পদ্ধতি। (2) তারপরে অন্তর্ভুক্তির মূল্যবোধের উপর একটি বিশেষ ফোকাস রয়েছে, শান্তি যা সাধারণত উন্নয়ন নিয়ে আলোচনা করার সময় আমরা কথা বলি না। তারপরে প্রতিষ্ঠানগুলির উপর ফোকাস করা হয় - এবং গ্রাম পঞ্চায়েত সাধারণত এমন একটি প্রতিষ্ঠান যা আমরা ভারতীয় প্রেক্ষাপটে উল্লেখ করতে পারি। (3) শাসনের উপর ফোকাস আছে। সুশাসন যেমন গান্ধিজি বলেছিলেন "আমার স্বপ্নের স্বরাজ গরীব মানুষের স্বরাজ"। একেই তিনি পূর্ণ স্বরাজ বলেছেন। এখন আমাদের নিজেদের শাসন/শাসন করতে শিখতে হবে। তিনি দুর্নীতিমুক্ত শাসনের কথা বলেন। তাই SDGs হল অনেক বিস্তৃত লক্ষ্য।

এখন আমরা কোথায় শুরু করব? আমরা এর স্তরে শুরু করি গ্রাম পঞ্চায়েত। আসুন কোন লিখিত নির্দেশের জন্য অপেক্ষা না করি। আমরা শুরু করেছি। শুরু করা সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ কারণ আমাদের অর্জন করতে আরও আট বছর আছে। তবে গতি পেতে কিছুটা সময় লাগবে। আমরা কিভাবে শুরু করব? পঞ্চায়েতগুলির সম্ভাব্য কার্যবলীর বিবরণ দিয়ে আমাদের সংবিধানের সময়সূচী রয়েছে।

আসুন প্রথমে তাদের উপর সমস্ত SDG ম্যাপ করি। তারপর আপনি অনেক সাধারণ উপাদান আছে খুঁজে নিচের কথায় আসি। সংশ্লিষ্ট রাজ্য আইনের অধীনে পঞ্চায়েতগুলিকে প্রদত্ত কার্যবলীতে তাদের ম্যাপ করুন। তারপর এটি সুপরিচিত এবং সর্বজন গৃহীত হয়। এই ফাংশনগুলি বেশিরভাগই আইন অনুসারে, কিন্তু প্রায়শই কার্যকর হয় না। তাহলে চলুন এবার জেনে নেওয়া যাক পঞ্চায়েতগুলোর কাজ ঠিক কী? তারা ঠিক কি পারফর্ম করছে? এবং তাদের কাছে এসডিজি ম্যাপ করুন। তাই আপনি সাধারণতার ক্ষেত্র খুঁজে পাবেন। এটি সেই ক্ষেত্র যেখানে আমাদের ফোকাস করতে হবে।

আমাদের দেশে এখন অনেক অধিকার-ভিত্তিক আইন রয়েছে। অধিকার-ভিত্তিক আইনে ভারত অগ্রগামী। আমাদের তথ্যের অধিকার, কাজের অধিকার, শিক্ষার অধিকার, খাদ্যের অধিকার রয়েছে এবং সম্প্রতি আমরা প্রতিবন্ধী ব্যক্তিদের অধিকার যোগ করেছি ইত্যাদি। পঞ্চায়েতগুলি তাদের বাস্তবায়নে এবং বিশেষ করে SDG সূচকগুলির অগ্রগতি পর্যবেক্ষণে একটি অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করে। এই ধরনের ম্যাপিং খুব সমালোচনামূলক।

রাজ্যে পরিবর্তিত পঞ্চায়েতগুলি দ্বারা প্রচুর পরিকল্পনা বাস্তবায়ন করা হচ্ছে। তাদের স্কিমগুলিতে SDGs ম্যাপ করুন। আবার, আমরা 15 তম অর্থ কমিশনের অনুদান ব্যবহার করে গ্রাম পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনা (GPDP) এর অধীনে অনেকগুলি প্রোগ্রাম নিয়েছি। তাদের উপর SDGs মানচিত্র। আপনি এটি করার পরে, 'শাসন' বা 'ই-গভর্নেন্স' নামে একটি সাধারণ জিনিস রয়েছে। সুশাসনে সামাজিক নিরীক্ষা, জবাবদিহিতা, স্বচ্ছতা ইত্যাদির মতো উপাদান রয়েছে। এসডিজিগুলি তাদের সাথে মানচিত্র করুন। একবার আপনি এই ম্যাপিংটি করে ফেললে রাজ্য পঞ্চায়েতগুলি SDG-এর জন্য কী করতে পারে তা স্বয়ংক্রিয়ভাবে আপনার কাছে থাকবে আপনি কি করতে পারেন তা সিদ্ধান্ত নেওয়ার ক্ষেত্রে এটিই প্রথম পদক্ষেপ। মধ্যবর্তী এবং জেলা স্তরের পঞ্চায়েতগুলিও এই ধরনের ম্যাপিং করতে পারে। কিন্তু আমি দুটোভাবে পরামর্শ দিচ্ছি যে, প্রথমে গ্রাম পঞ্চায়েতগুলির শক্তির উপর ফোকাস করা। গ্রাম পঞ্চায়েতগুলির শক্তি কী কী? সবচেয়ে বড় শক্তি হলো তারা জনগণের মুখোমুখি। তারা সমস্যাগুলো জানে। আর্থ-সামাজিক অগ্রাধিকার ভিত্তিতে যে গোষ্ঠীগুলিতে যোগদান করা দরকার তা তারা জানে।

* 1 প্রাক্তন সচিব, ভারত সরকার

* 2 সহযোগী অধ্যাপক, C.R. আমি, ন্যাশনাল ইনস্টিটিউট অফ রুরাল ডেভেলপমেন্ট অ্যান্ড পঞ্চায়েতি রাজ, হায়দ্রাবাদ

সুতরাং, তারা আমাদের এই লক্ষ্যগুলির প্রকৃত অর্জনের জন্য প্রেসক্রিপশন দিতে পারে। আপনার অংশগ্রহণ এবং সমষ্টিগত স্থানীয় কর্ম প্রয়োজন। এটি গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি দ্বারা সর্বোত্তমভাবে করা যেতে পারে। এটি বিশেষত কারণ 'অপরিষ্কৃতদের কাছে পৌঁছানো এমন একটি জিনিস যা গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি খুব ভাল করতে পারে।

লক্ষ্যগুলি অর্জনের একই স্তরে নয়। তারা দেশে বা বিশ্বের সর্বত্র একই স্তরে নেই। এমনকি একটি জেলার মধ্যেও বিশাল বৈচিত্র্য লক্ষ্য করা যায়। শুধুমাত্র গ্রাম পঞ্চায়েতই সেই স্তরের উন্নয়নে যোগ দিতে পারবে। তারপরে কিছু জিনিস যেমন স্যানিটেশন, প্রাকৃতিক সম্পদ ব্যবস্থাপনা (NRM) দরিদ্র গ্রাম পঞ্চায়েতদের কাছে পৌঁছানোর সুনির্দিষ্ট সুবিধা রয়েছে। তাহলে গ্রাম পঞ্চায়েতের সদস্যদের সংখ্যা প্রায় 30 লক্ষ বা 3 মিলিয়ন যার মধ্যে প্রায় 13 লক্ষ থেকে 14 লক্ষ মহিলা এবং তারা SDG-এর জন্য ফ্রন্টলাইন স্বেচ্ছাসেবক বা ফ্রন্টলাইন অ্যাকশন স্বেচ্ছাসেবক হবেন।

সাধারণত এই এসডিজিগুলির বেশিরভাগই সহস্রাব্দ উন্নয়ন লক্ষ্যগুলির থেকে আলাদা (MDGs)। SDGs সামাজিক পুঁজি গঠনের জন্য নরম দিকগুলির আস্থান জানায় যা গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি আরও ভালভাবে করতে পারে। এই অনেক লক্ষ্য অর্জনে এক্সটেনশন খুবই গুরুত্বপূর্ণ। গ্রাম পঞ্চায়েতগুলির যে কোনও জায়গায় একটি স্বতন্ত্র সুবিধা রয়েছে বিশেষ করে যেখানে এটি রয়েছে। সামাজিক খাত সম্পর্কে। এটি উদ্ভিত হওয়ার জন্য কর্মের একটি কার্যকর চাহিদা তৈরি করতে হবে। এই চাহিদা সৃষ্টি আবার গ্রাম পঞ্চায়েতের মাধ্যমে নীচে থেকে সর্বোত্তমভাবে করা যেতে পারে।

ঐতিহাসিকভাবে এবং কার্যত গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি বিভাগীয় সাইলোগুলি ভাঙতে ভাল। উচ্চ স্তরে আমাদের উচ্চ বিভাগীয়তা রয়েছে এবং আমরা বগিতে চিন্তা করি। গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি সাধারণত যে কোনও সমস্যাকে সামগ্রিক এবং সামগ্রিকভাবে সমাধান করার প্রবণতা রাখে। এসডিজিগুলি সাধারণ, যেখানে এটি একটি ক্রস-সেক্টরাল এবং বিভাগের বাইরে একটি সমাধান প্রয়োজন।

গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি ক্রস-সেক্টরাল সমস্যার সমাধান খোঁজার ক্ষেত্রে খুবই গুরুত্বপূর্ণ। এটি বিশেষ ভূগোলীয় পরিপ্রেক্ষিতে চিন্তা করে - যেমন আপনাকে বিশেষ গোষ্ঠী, বিশেষ স্থান এবং বিশেষ এলাকায় ফোকাস করতে হবে। এইভাবে, গ্রাম পঞ্চায়েত বা গ্রাম পঞ্চায়েতের ক্লাস্টারগুলি সমাধানের জন্য আসবে। গ্রাম পঞ্চায়েতের জন্য স্থানীয় চাহিদা এবং স্থানীয় অগ্রাধিকার অনেক গুরুত্বপূর্ণ। গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি ইশারায় লালনপালনের জন্য, অসামান্য অভিনয়কারীদের চিহ্নিত করতে এবং চিনতে এবং অনুশীলনের জুলগুলিকে উন্নীত করার জন্য ভাল অবস্থানে রয়েছে।

একটার আগে বাস্তবায়ন শুরু করুন, এক কিছু জটিল উন্নয়ন ধারণা বুঝতে হবে যা লক্ষ্যে অন্তর্ভুক্ত। আপনি যদি তাদের সঠিক দৃষ্টিকোণে বুঝতে পারেন, একটি প্রোগ্রাম বা অ্যাকশন পয়েন্ট নেওয়া সহজ হয়ে যায়। উদাহরণস্বরূপ, 'স্থানীয় প্রেক্ষাপটে দারিদ্র্য কী' যা প্রতিটি বয়সের প্রতিটি ব্যক্তিকে প্রভাবিত করে, প্রতিটি এলাকা এমন কিছু যা আপনি খুঁজে পেতে পারেন। কি অপুষ্টি হচ্ছে? অপুষ্টি কি? এবং একটি স্থানীয় প্রেক্ষাপটে জলবায়ু পরিবর্তন কি? একটি 'লিঙ্গ' সমস্যা কি? এবং স্থানীয় প্রেক্ষাপটে জেনেটিক-বৈচিত্র্য বা ঐতিহ্য জ্ঞান কী? ন্যায়সঙ্গত মানসম্মত শিক্ষা কী? এসডিজিতে এসব উল্লেখ আছে। প্রাকৃতিক সম্পদ ব্যবস্থাপনা কি? ইনকলুসিভ গ্রোথ কি? একটি গ্রাম পঞ্চায়েত এইগুলি এবং অন্যান্য ধারণাগুলি বোঝার চেষ্টা করছে যেমন 'শালীন কাজ' এর অর্থ এবং 'Labour Rights' কী? আর্থিক অন্তর্ভুক্তি বলতে কী বোঝায়; এবং শান্তি বা অহিংসা স্থানীয় উন্নয়নে কী করে? এই ধারণাগুলিকে অভ্যন্তরীণ করা দরকার এবং গ্রাম পঞ্চায়েতগুলিতে সেগুলি আরও ভালভাবে অন্তর্নিহিত করা যেতে পারে।

এখন কয়েকটি লক্ষ্য নেওয়া যাক এবং গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি কী করতে পারে?

প্রথম লক্ষ্য দারিদ্র্য। MGNREGS একটি গ্রাম পঞ্চায়েতের বিষয় এবং আপনি অনেক কিছু করতে পারেন। লক্ষ্য-2 হল ক্ষুধা সম্পর্কে, যা ক্ষুধা হ্রাস, খাদ্য নিরাপত্তা পুষ্টির উন্নতি এবং টেকসই কৃষির সাথে কাজ করে। এখানে আবার MGNREGS খুব কাজে আসে। লক্ষ্য-3 হলো স্বাস্থ্যকর জীবন। হতে পারে হাসপাতালগুলি গ্রাম পঞ্চায়েতের অধীনে নয় তবে গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি হাসপাতাল বা প্রাথমিক স্বাস্থ্য কেন্দ্র এবং জনগণের পরিষেবা সরবরাহের মধ্যে শেষ মাইল সংযোগ আনতে পারে। তাই এখানে আবার তাদের একটি বিশাল অবদান আছে। লক্ষ্য-4 -এর সাথে একই জিনিস ভাল ধারণা করে যা শিক্ষা, অ্যাক্সেস নিশ্চিত করা, গুণমান নিশ্চিত করা, কেউ যাতে পিছিয়ে না থাকে তা নিশ্চিত করা। সকলের জন্য সমান মানের শিক্ষা নিশ্চিত করা গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি করতে পারে।

লক্ষ্য-5 লিঙ্গ সমতা সম্পর্কে। গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি দরিদ্রদের স্বনির্ভর গোষ্ঠীগুলির সাথে কাজ করতে পারে। গ্রাম পঞ্চায়েতের প্রায় 45% সদস্য মহিলা। তারা অগ্রগামী স্বেচ্ছাসেবক হতে পারে।

লক্ষ্য-6 একটি সম্পূর্ণ গ্রাম পঞ্চায়েতের বিষয় অর্থাৎ সকলের জন্য জল ও স্যানিটেশন। গ্রাম পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনা ব্যবহার করে, জল জীবন মিশন ব্যবহার করে, এবং 15 তম অর্থ কমিশনের অনুদান এবং MGNREGS তহবিল গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি সকলের জন্য জল এবং স্যানিটেশন নিশ্চিত করতে পারে এবং জল ও স্যানিটেশন সমস্যাগুলিকে স্যাচুরেশনের স্তরে মোকাবেলা করতে পারে। এসডিজির 'কেউ পিছিয়ে যাবে না' নীতিটি এখানে খুব ভালোভাবে প্রয়োগ করা যেতে পারে।

লক্ষ্য-7 শক্তি সম্পর্কে। রাত্তার আলো এবং রান্নার গ্যাসের উপরে শক্তি অনেক বেশি। জৈব-গ্যাসের ব্যাপক ব্যবহারের জন্য সম্ভাব্যতা একটি ক্ষেত্র যা আমাদের গুরুত্ব সহকারে বিবেচনা করতে হবে। এতে সরকারের অনেক সহযোগিতা রয়েছে। অপ্রচলিত শক্তি একটি বিষয় যা গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি খুব স্বাচ্ছন্দ্যে পরিচালনা করতে পারে। লক্ষ্য-8 হচ্ছে প্রবৃদ্ধি। গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি এখানে সামান্য অবদান রাখতে পারে, তবুও গ্রাম পঞ্চায়েত স্তরে শালীন কাজ, কর্মসংস্থান সৃষ্টি এবং মাইক্রো এন্টারপ্রাইজের প্রচার ইত্যাদি করা যেতে পারে। এর জন্য আমরা স্থানীয় পদক্ষেপের মাধ্যমে NABARD, KVIC, SIDBI ইত্যাদির MGNREGS এবং অন্যান্য কর্মসূচি আনতে পারি। MGNREGS-এ যুবকদের DDU-GKY-এর মাধ্যমে উচ্চ দক্ষতার দিকে নিয়ে যেতে হবে। সমাজের বিভিন্ন শ্রেণীর জন্য প্রচুর কাজ এখানে তৈরি করা যেতে পারে।

লক্ষ্য-10 বৈষম্য কমানো। ভারতের মত দেশে বৈষম্য অনেক ভয়ংকর দারিদ্র্য। বৈষম্য হ্রাস ম্যাক্রো পলিসিগুলির মাধ্যমে হতে পারে তবে তারা কারা বাদ পড়া লোকদের তাদের সাহায্য দিতে, তাদের মূল স্রোতে আনতে, তাদের উন্নয়ন প্রক্রিয়ায় আনতে, এটি এমন কিছু যা গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি সহজেই করতে পারে।

লক্ষ্য-12 হল টেকসই ব্যবহার এবং উৎপাদন। এটি আচরণগত পরিবর্তন এবং এই গ্রাম পঞ্চায়েতগুলি মানুষের সাথে ক্রমাগত জড়িত থাকার মাধ্যমে এবং তাদের সাথে কাজ করার মাধ্যমে অর্জন করতে পারে। পঞ্চায়েত, সবুজ উন্নয়ন আন্দোলনের সাহায্যে, টেকসই উৎপাদন পদ্ধতি প্রচার করতে পারে।

লক্ষ্য -16 হচ্ছে শান্তিপূর্ণ ও অন্তর্ভুক্তিমূলক সমাজ সম্পর্কে। গ্রামসভায় শান্তি শুরু হয়, যেভাবে আপনি সবাইকে অন্তর্ভুক্ত করেন - দরিদ্রতম দরিদ্র পুরুষ/মহিলা সহ। সম্পর্কে গাঙ্কাজি বলেছিলেন লক্ষ লক্ষ ক্ষুধার্ত এবং মেহনতি - তাদের সকলকে গ্রামসভায় আনতে হবে যা শান্তি এবং অন্তর্ভুক্তি। শেষ লক্ষ্য

(লক্ষ্য 17) হল বাস্তবায়ন জোরদার করা। গ্রাম পঞ্চায়েতগুলিকে সক্ষম ও শক্তিশালী করতে হবে SDGs বাস্তবায়ন বাস্তবায়িত। আমাদের গ্রাম পঞ্চায়েত স্তরে গতি তৈরি করতে হবে। তরুণ পেশাদারদের সম্প্রদায়ের সাথে ঘনিষ্ঠভাবে কাজ করতে হবে, এবং পঞ্চায়েতগুলিকে গাইড করতে হবে। এই অত্যন্ত অংশগ্রহণমূলক হতে হবে। আসুন আমরা পঞ্চায়েতি রাজ প্রাতিষ্ঠানিক কাঠামোতে চড়ে যাই। আসুন এসডিজির জন্য আলাদা পরিকল্পনা ব্যবস্থা তৈরি না করি। বিশ্বব্যাপী প্রভাবের জন্য স্থানীয়ভাবে কাজ করার জন্য পঞ্চায়েতগুলি সর্বোত্তম বাহন হতে পারে।

এখন ভারত সরকার দারিদ্র্যমুক্ত পঞ্চায়েতের পরিকল্পনা নিতে চায়। তাই আসুন আমরা সকল কার্যক্রমকে একত্রিত করি। গ্রাম পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনার (GDP) জন্য পিপলস প্র্যান ক্যাম্পেইনসের মাধ্যমে তৈরি গতি ব্যবহার করে শ্রম বাজেটের পরিকল্পনা, SDG-এর পরিকল্পনা এবং দারিদ্র্যমুক্ত পঞ্চায়েতগুলির জন্য পরিকল্পনা করা। আসুন এগিয়ে যাই। ধারণাগুলি বোঝার উপর অগ্রাধিকার দেওয়া উচিত। SDG-এর পদ্ধতিগত ম্যাপিংয়ের মাধ্যমে কীভাবে সেগুলিকে মাটিতে কার্যকর করা যায় তা আমরা এই নিবন্ধে তুলে ধরেছি। একবার আপনি সমস্যাটি বুঝতে পারলে আপনি তাদের আরও ভালভাবে সমাধান করতে পারবেন এবং জিনিসগুলি স্বয়ংক্রিয়ভাবে ফিট হয়ে যাবে। আমাদের এই উদ্দেশ্যে NIRD & PR, SIRD & PRs, রাজ্য সরকার, জেলা প্রশাসন, এবং পঞ্চায়েত স্তরের কিছু 'অভ্যাসের স্কুল' এবং 'বীকন লিডার'- এর মতো প্রশিক্ষণ প্রতিষ্ঠানগুলির সম্পূর্ণ ব্যবহার করতে হবে। পরিবেশ স্থানীয় কর্মের জন্য অনুকূল। আসুন জনগণের পরিকল্পনা প্রচারণার মাধ্যমে শুরু করি, এবং আমরা যতই এগিয়ে যাচ্ছি ততই তীব্র হয়ে উঠি।

....

ভারত থেকে তার গ্রামে : স্থানীয় স্বশাসনের সাথে এসডিজির স্থানীয়করণ

*জয়শ্রী রঘুনন্দন

“আমরা জনগণ জাতিসংঘের সনদের পালিত উদ্বোধনী শব্দ। এটি ‘আমরা জনগণ’ যারা আজ 2030 এর পথে যাত্রা করছি।” আমাদের বিশ্বকে রূপান্তর করা: টেকসই উন্নয়নের জন্য 2030 এজেন্ডা - জাতিসংঘ সাধারণ পরিষদ সেপ্টেম্বর 2015-এ গৃহীত হয়েছে A/RES/70/1।

“আমরা, ভারতের জনগণ, নিজেদেরকে দান করি, ভারতের সংবিধানের প্রস্তাবনার ধনিত শব্দ।

টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যমাত্রা (SDGs), সার্বজনীন লক্ষ্য এবং লক্ষ্য। এগুলি একত্রিত এবং অবিভাজ্য এবং টেকসই উন্নয়নের তিনটি মাত্রা-অর্থনৈতিক, সামাজিক এবং পরিবেশগত ভারসাম্য বজায় রাখে। 169টি বৈশ্বিক লক্ষ্যমাত্রা সহ 17টি এসডিজির যাত্রা সেপ্টেম্বর 2015 সালে 193টি দেশ দ্বারা প্রতিশ্রুতিবদ্ধ ছিল এবং এটি 1 জানুয়ারী 2016 এ কার্যকর হয়েছিল।

2015-2016 সাল ছিল সেই বছর যেটি গ্রাম পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনার (GPDP) মাধ্যমে উন্নয়ন পরিকল্পনার প্রক্রিয়া ভারতের গ্রাম পঞ্চায়েতগুলিতে চালু হয়েছিল। এটি একটি যুগান্তকারী বছর ছিল Rs. XIV তম অর্থ কমিশন (2015-2020) এর অধীনে প্রাথমিক স্থানীয় সংস্থাগুলিকে 200,292.20 কোটি টাকা।

এসডিজি ইন্ডিয়া সূচক

NITI Aayog 2018 সালে প্রথম SDG India Index (SDGI) বেসলাইন রিপোর্ট প্রকাশ করেছিল। এতে 13টি লক্ষ্য ভিত্তিক 39 টি বৈশ্বিক লক্ষ্যমাত্রা থেকে প্রবাহিত জাতীয় নির্দেশক কাঠামোর (NIF) 306টি সূচকের মধ্যে 62টি অগ্রাধিকার সূচকের একটি সেট রয়েছে, জাতীয় অগ্রাধিকারের উপর। ভারতের জন্য যৌগিক স্কোর ছিল 57। রাজ্যগুলির স্কোরের পরিসীমা (কেন্দ্রশাসিত অঞ্চল সহ) ছিল 42 থেকে 69। কেরালা এবং হিমাচল প্রদেশ ছিল 68-এ। চণ্ডীগড় ছিল 69-এ। স্কোরের নিম্ন প্রান্তে ছিল উত্তরা প্রদেশ (42), বিহার (48) এবং আসাম (49)।

2019 সালে SDGI 2.0 NIF থেকে 100টি সূচক সহ 16টি লক্ষ্য, 54টি জাতীয় লক্ষ্য কভার করেছে। রাজ্যের অবস্থান এবং স্কোর এবং SDG-ভিত্তিক, লক্ষ্য এবং নির্দেশক-ভিত্তিক অবস্থানগুলি বের করা হয়েছিল। 2021 সালের মার্চ মাসে শেষ SDGI 3.0, 16টি লক্ষ্য, 70টি লক্ষ্য এবং 115টি জাতীয় সূচককে কভার করে যে ভারতের জন্য কম্পোজিট স্কোর 66-এ চলে গেছে, স্কোর পরিসীমা 52 থেকে 75, কেরালা 75-এ শীর্ষে, তামিলনাড়ু এবং হিমাচল প্রদেশ অব্যাহত রয়েছে 74-এ, 2018 সাল থেকে সবচেয়ে দ্রুত গতির মিজোরাম 68-এ পৌঁছেছে এবং উত্তরাখণ্ড 72 (উভয় +12), ওড়িশা (+10) 61-এ, 2018 সাল থেকে। সর্বনিম্ন স্কোর থেকে উত্তরপ্রদেশ এখন 60-এ এবং আসাম 57-এ উঠেছে, আর বিহার রয়ে গেছে 52-এ সর্বনিম্ন অবস্থানে।

এই যুক্তি যে লক্ষ্যগুলি যোগ করা এবং সূচকগুলির পরিবর্তন এটিকে কমলার সাথে আপেলের তুলনা করে তোলে তা এই প্রসঙ্গে দেখা যায় যে সমস্ত রাজ্য আপেল এবং কমলার সূচকের একই ঝুড়ি থেকে কাজ করেছে এবং এটি হল তীব্র অবস্থানগততা যা তাৎপর্যপূর্ণ প্রাসঙ্গিক এবং লক্ষ্য, লক্ষ্য এবং সূচকগুলির বিপরীতে অগ্রগতি দেখার জন্য রাজ্যগুলিকে আহ্বান জানায়। বৃহত্তর তাৎপর্য এবং পদক্ষেপের জন্য মনোযোগের জন্য এসডিজির প্রকৃত পরিসংখ্যান, লক্ষ্য এবং সূচকগুলি। এই পরিসংখ্যানগুলি SDG 7 (সাশ্রয়ী ও ক্রিন এনার্জি) (+22), SDG 11 (টেকসই শহর এবং সম্প্রদায়) (+26), SDG 12 (দায়িত্বশীল ভোগ ও উৎপাদন) (+19) এর বিশাল উত্থান দেখায়, যখন নিম্নমুখী SDG 6 (পানি ও স্যানিটেশন) (-5), SDG 13 (জলবায়ু কর্ম) (-6), SDG 9 (শিল্প, উদ্ভাবন এবং অবকাঠামো) (-10)। রাজ্যভিত্তিক এবং সূচকভিত্তিক বিশদ পাওয়া যায় যে স্পষ্টভাবে লক্ষ্য রয়েছে এবং সূচকগুলির মনোযোগ প্রয়োজন, এবং রাজ্যগুলিকে দেখতে হবে কেন তারা যেখানে সেখানে রয়েছে।

রাজ্য এবং জেলা

একটি এনআইএফ থেকে, রাজ্য নির্দেশক ফ্রেমওয়ার্কের দিকে ও নজর দেওয়া দরকার, যা কেবলমাত্র এনআইএফ থেকে নয়, তবে পৃথক রাজ্যগুলির জন্য কী প্রাসঙ্গিক। সূচক নির্বাচন এবং এর ওজন বার্ষিক অগ্রগতি মনিটর প্রদান করবে। আরও গুরুত্বপূর্ণ এখনও সাব-স্টেট স্তরে চলে যাচ্ছে। নির্দিষ্ট পরিমাপযোগ্য সূচকগুলির আন্তঃ-জেলা বৈষম্যগুলি বিভিন্ন কেন্দ্রীয় স্পনসর্ড স্কিম এবং রাজ্য স্পনসর্ড স্কিমগুলির অধীনে রাজ্যের দ্বারা নিবন্ধ বিনিয়োগকে সক্ষম করে। অনেক রাজ্য তাদের ডিস্ট্রিক্ট ইন্ডিকেকটর ফ্রেমওয়ার্ক (DIF) প্রস্তুত করেছে। ডিআইএফ কতটা কার্যকরভাবে ব্যবহার করা যেতে পারে তা চিহ্নিত করা 113টি পিছিয়ে পড়া জেলার উপর দৃষ্টি নিবন্ধ করে নীতি আয়োগের উচ্চাকাঙ্ক্ষী জেলা প্রোগ্রাম (ADP) দ্বারা অনুমান করা যেতে পারে। 2 বছরে 49টি সূচকে উন্নতির পরিসীমা 50% পর্যন্ত হয়েছে। প্রত্যন্ত এবং কঠিন জেলা যেমন ওড়িশার রায়গড়া সেপ্টেম্বর 2018 সালে 112 তম অবস্থানে ছিল এবং 2020 সালের অক্টোবরে 5-এ স্থানান্তরিত হয়েছিল; 2018 সালের নভেম্বরে ইউপি'র ফতেহপুর 105-এ মে 2019-এ (ডেল্টা র্যাঙ্কিং) 2-এ চলে গেছে। নিঃসন্দেহে এই এবং অন্যান্য জেলায় এই ধরনের গতিতে উন্নতির জন্য কর্মসূচির পিছনের দর্শনের প্রভাব, পরিমাপযোগ্য সূচক, তুলনা এবং মনোযোগী পদক্ষেপের সাথে ঘনিষ্ঠ পর্যবেক্ষণের জন্য দায়ী করা যেতে পারে। এটিপি স্বাস্থ্য, পুষ্টি, শিক্ষা, কৃষি, পানি সম্পদ, আর্থিক অন্তর্ভুক্তি, দক্ষতা উন্নয়ন এবং মৌলিক অবকাঠামো দেখে চিহ্নিত এই যাত্রাগুলো টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যমাত্রার আওতায় পড়ে।

* প্রাক্তন অতিরিক্ত মুখ্য সচিব, তামিলনাড়ু

উপজেলা

SDG। যা করতে পারে তা হল SDG-তে তাদের কর্মক্ষমতা রাজ্যগুলিকে একটি আয়না দেখায়। ডিআইএফ যা করতে পারে তা হল আন্তঃ-জেলা বৈষম্যের বিশদ বিবরণের প্রমাণ দিতে যা রাজ্য সরকার দেখতে এবং কাজ করার জন্য জাতীয় থেকে রাজ্য পর্যন্ত, SDG অর্জনের প্রক্রিয়ার মধ্যে সরকারের 2টি স্তর অন্তর্ভুক্ত রয়েছে। ভারত সরকার এবং রাজ্য সরকার প্রোগ্রামগুলির পরিকল্পনা, বাস্তবায়ন এবং পর্যবেক্ষণের সাথে সরাসরি জড়িত। কেন্দ্রীয়ভাবে স্পনসর্ড স্কিম এবং রাজ্য স্পনসর্ড স্কিম প্রোগ্রামগুলি গ্রামীণ এলাকায় বাস্তবায়িত হয়, সরকারি আধিকারিকদের মাধ্যমে জেলাগুলি ডেলিভারি দায়িত্বের জন্য গুরুত্বপূর্ণ স্তর। তবুও উপ-জেলা স্তরে, ব্লক এবং গ্রাম পঞ্চায়েতগুলিতে আরও যেতে হবে যা নিঃসন্দেহে উন্নয়নের বিভিন্ন স্তর এবং বিভিন্ন জায়গায় মনোযোগ দেওয়ার জন্য বিভিন্ন সমস্যা এবং বিকেন্দ্রীকৃত এবং লক্ষ্যযুক্ত পদ্ধতির প্রয়োজনীয়তা দেখায়। শব্দটিও নয়, দর্শনও নয়, কর্মও নতুন নয়।

এর জন্য রাষ্ট্রীয় সমর্থনের একটি প্রখর উদাহরণ হল যে, পরিহাসের বিষয় হল, JJM-এর অধীনে 55 lpcd প্রদানের ক্ষেত্রে শীর্ষস্থান অর্জনের দৌড়কে রাজ্য সরকার (এবং জেলা প্রশাসন) দ্বারা বেশি মনোযোগ দেওয়া হয়েছে বলে মনে হচ্ছে, গ্রাম ও জনপদের জলের চাহিদা, মানসম্মত পানীয় জলের চাহিদা পূরণ করার চেয়ে এবং জলের উত্স, যদিও এই সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ মিশনের অধীনে তহবিল কোনও সমস্যা নয়।

আরও এগিয়ে গিয়ে, পানীয় জল এবং গৃহস্থালির চাহিদার বাইরে একটি গ্রামের জলের চাহিদার সামগ্রিক দৃষ্টিভঙ্গি, কৃষি চাহিদা, ভূগর্ভস্থ জলের স্তর, জল সংগ্রহ ইত্যাদির মূল্যায়ন এবং বিভিন্ন বিভাগ থেকে উপলব্ধ একাধিক স্কিম ব্যবহারের লক্ষ্যমাত্রার চারপাশে পরিকল্পনা করা হয়নি। গ্রাম পঞ্চায়েত অর্জন করতে চায় এবং অগ্রাধিকার দেয়, তবে কর্মকর্তাদের দ্বারা বাস্তবায়িত বিভিন্ন প্রকল্পের অধীনে অর্জন হিসাবে অসম ভৌত লক্ষ্যমাত্রা। স্থানীয় স্ব-সরকারের সাথে এসডিজির স্থানীয়করণ

পঞ্চায়েত এবং সেখানকার মানুষের জন্য প্রাসঙ্গিক এই বৈশ্বিক লক্ষ্যগুলির স্থানীয়করণ ছাড়া সকলের জন্য বিশ্বব্যাপী লক্ষ্যগুলির অর্জন কল্পনা করা অসম্ভব। কর্মকর্তারা দীর্ঘদিন ধরে সিদ্ধান্ত নিয়েছেন কোথায় কী দেওয়া উচিত এবং আমরা সমস্ত সেক্টরের মধ্যে বৈষম্য দেখতে পাই।

স্থানীয় নির্দেশক কাঠামো, গ্রাম পঞ্চায়েত স্তরে স্থানীয়ভাবে প্রাসঙ্গিক লক্ষ্যগুলি অর্জনের জন্য, যা ব্লক, জেলা, রাজ্য এবং জাতীয় স্তরে লক্ষ্য এবং সূচকগুলিতে প্রতিফলিত কর্মক্ষমতার সাথে লিঙ্ক এবং সমষ্টিকে পরবর্তী অপরিহার্য পদক্ষেপ হবে। এটি এসডিজির সম্পূর্ণ বর্ণালীতে বিভিন্ন পঞ্চায়েত কোথায় রয়েছে তার চিত্র প্রদান করবে এবং পরিকল্পনা ও হস্তক্ষেপের জন্য খোলা প্রমাণ সরবরাহ করবে।

যদিও ভারত সরকারের অনেক ফ্ল্যাগশিপ স্কিম যেমন জাতীয় স্বাস্থ্য মিশন (NHM), জল জীবন মিশন (JJM), স্বচ্ছ ভারত মিশন (SBM), পোষণ অভিযান ইত্যাদি বিশেষভাবে নির্দেশিকাতে বলে যে গ্রাম স্তরের পরিকল্পনা থাকতে হবে, গ্রাম সভাগুলির সম্পৃক্ততা, ডেটা ভাগ করে নেওয়া, পঞ্চায়েত রাজ্য প্রতিষ্ঠানের (পিআরআই) নির্বাচিত প্রতিনিধিদের জন্য

প্রশিক্ষণ, অন্যদের মধ্যে যেগুলি স্থানীয় স্বাস্থ্য সরকারকে এই প্রক্রিয়ায় জড়িত করতে চায়, বাস্তবতা সম্পূর্ণ ভিন্ন। হস্তান্তর, এবং পঞ্চায়েতগুলি কতটা জড়িত তা রাজ্য সরকারগুলির উপর ছেড়ে দেওয়া হয় এবং রাজ্য সরকারগুলি অনুসরণ করে। কোনো সন্দেহ নেই যে SDG-তে অগ্রগতি হয়েছে গ্রামীণ এলাকায় রাজ্যগুলির দ্বারা বাস্তবায়িত বিভিন্ন মন্ত্রকের একাধিক প্রকল্পের কারণে, পাশাপাশি রাজ্য নির্দিষ্ট প্রকল্পগুলির কারণে।

নিরীক্ষণ করা হয় স্কিম কর্মক্ষমতা তথ্য, শারীরিক এবং আর্থিক। এইগুলির যুক্তিসঙ্গত সংখ্যা এনআইএফ-এর সূচকগুলির সাথে মিলে যায়, যেমন জল, পুষ্টি, স্বাস্থ্য, শিক্ষা ইত্যাদির সাথে যুক্ত। তবে, ভূগর্ভস্থ জলের প্রাপ্যতা, পুষ্টির অবস্থার উন্নতি, নারী ও শিশুদের বিরুদ্ধে অপরাধ প্রতিরোধ, এবং সহায়তা পরিষেবাগুলির মতো সমস্যাগুলি সমাধান করা। দুর্বলদের জন্য, কাউকে পিছনে না রেখে (এলএনওবি) এবং কোনও গ্রামকে পিছনে না রাখার ফলাফল অর্জনের লক্ষ্যে লক্ষ্যযুক্ত পদ্ধতি এবং অনুসরণ নিশ্চিত করার জন্য, গ্রাম (হ্যামলেট) স্তরে SDGগুলির স্থানীয়করণ প্রয়োজন।

স্থানীয়করণ উভয়ের সাথে সম্পর্কিত যে কীভাবে স্থানীয় এবং উপ-জাতীয় সরকারগুলি নিচ-উপরের পদক্ষেপের মাধ্যমে এসডিজিগুলির অর্জনকে সমর্থন করতে পারে... উপরন্তু, এসডিজিগুলির স্থানীয়করণের দায়িত্ব সরকারের নির্বাহী শাখার মধ্যে সীমাবদ্ধ নয় বরং নির্বাচিত প্রতিনিধিদের দ্বারাও নেতৃত্ব দেওয়া হয়। সব ধাপ - SDG-এর স্থানীয়করণ - ভারত 2019 থেকে প্রাথমিক পাঠ, নীতি আয়োগ

সরকারের তৃতীয় স্তর, স্থানীয় স্ব-সরকার এসডিজির স্থানীয়করণের জন্য সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ। রাজ্য এবং কেন্দ্রীয় সরকার উভয়েরই সমান অংশীদার হিসাবে তাদের স্বীকৃতি দেওয়া দরকার।

টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যমাত্রা অর্জনের জন্য 5Ps - জনগণ, অংশীদারিত্ব, সমৃদ্ধি, গ্রহ এবং শান্তি উপ-জেলা স্তরে, ব্লকে, প্রতিটি গ্রাম পঞ্চায়েতে নেওয়া হয় স্থানীয় স্বয়ং সরকারের 3 স্তরের সাথে সর্বোত্তম।

73 তম সাংবিধানিক সংশোধনী সংবিধানে নবম অংশ প্রবর্তন করেছে; সংবিধানের 243G অনুচ্ছেদ নিশ্চিত করার জন্য যে সমস্ত তিনটি স্তরের পঞ্চায়েতি রাজ্য প্রতিষ্ঠানগুলি স্থানীয় স্ব-শাসনের প্রতিষ্ঠান হিসাবে কাজ করতে পারে। পিআরআই-এর দায়িত্ব হিসাবে তালিকাভুক্ত (স্থানান্তরিত) 29টি বিষয়, পানীয় জলের মতো SDGগুলির সাথে সরাসরি যুক্ত, স্বাস্থ্য ও স্যানিটেশন, পানি ও জলাশয় ব্যবস্থাপনা, দারিদ্র্য বিমোচন, নারী ও শিশু কল্যাণ, সামাজিক ও খামার বনায়ন ইত্যাদি। ভারতের জন্য এসডিজি অর্জনের উপায়, কাউকে পিছিয়ে না রাখা, কোনও গ্রামকে পিছনে না রাখা, গ্রাম পঞ্চায়েতে নামা, তাদের সম্পূর্ণভাবে জড়িত করা, এটিকে ভারত সরকার এবং রাজ্য সরকার উভয়েরই একটি প্রাণবন্ত মিশন করা। এটি তাদের জীবন, এবং তাদের অবশ্যই সক্রিয় অংশগ্রহণকারী এবং সিদ্ধান্ত গ্রহণকারী হতে হবোকোভিড পিছিয়ে দিয়েছে এবং সারা বিশ্ব জুড়ে SDG-তে জীবনের সকল ক্ষেত্রে এবং অগ্রগতিকে প্রভাবিত করেছে। আরও ভালোভাবে গড়ে তোলার প্রক্রিয়ায়, আমাদের সচেতনভাবে, পদ্ধতিগতভাবে এবং পদ্ধতিগতভাবে গ্রামীণ এলাকায় এসডিজি স্থানীয়করণ করতে হবে, পিআরআই-এর সম্পৃক্ততার সাথে,

केन्द्र ও রাজ্য সরকারের স্তর থেকে স্থানীয় স্বায়ত্তশাসনে চলে যেতে হবে: 2.56 লক্ষ গ্রাম পঞ্চায়েতে, 6,626টি ব্লক পঞ্চায়েত, 621টি জেলা পঞ্চায়েতে 31 লক্ষ নির্বাচিত প্রতিনিধি (14 লক্ষের বেশি মহিলা প্রতিনিধি) সহ পঞ্চায়েত রাজ্য প্রতিষ্ঠানগুলি একটি বিশাল শক্তি যা ভারতের সমস্ত প্রায়ে পরিবর্তন আনতে পারে ভারতের জন্য এসডিজি অর্জনের জন্য গ্রামীণ এলাকায় এসডিজিগুলির স্থানীয়করণ প্রয়োজন পঞ্চায়েত রাজ্য প্রতিষ্ঠান, স্থানীয় স্ব-সরকারের সমান অংশীদারিত্বের সাথে ভারত থেকে তার গ্রামে চলে যাওয়ার জন্য।

“আমরা টেকসই উন্নয়নের প্রচারে সরকার ও আইন প্রণয়ন সংস্থাগুলির সকল স্তরের মূল ভূমিকাকে পুনরায় নিশ্চিত করি” - জাতিসংঘের জুলাই 2012 রেজোলিউশন থেকে নির্যাস, ‘দ্য ফিউচার উই ওয়াস্ট’, সেপ্টেম্বর 2015 সালে জাতিসংঘ সাধারণ পরিষদে অনুমোদিত

(ডেটা সোর্স: SDGII রিপোর্ট, NITI Aayog)

স্থানীয় উন্নয়নকে পুনরুজ্জীবিত করার জন্য SDG-এর স্থানীয়করণ হল: পঞ্চায়েতের জন্য স্থানীয় নির্দেশক কাঠামো (LIF) এবং ড্যাশবোর্ড

* সুকন্যা কু

উন্নয়নের স্থানীয়করণের অর্থ হল 2030 এজেন্ডা অর্জনে আঞ্চলিক/স্থানীয় প্রেক্ষাপট বিবেচনায় নেওয়া, লক্ষ্য ও লক্ষ্য নির্ধারণ থেকে শুরু করে বাস্তবায়নের উপায় নির্ধারণ করা এবং অগ্রগতি পরিমাপ ও নিরীক্ষণের জন্য সূচক ব্যবহার করা। উদ্দেশ্য হল SDGs অর্জনের চ্যালেঞ্জগুলি মোকাবেলা করা এবং SDGs, রাজ্যের নীতি, রাজ্য উন্নয়ন পরিকল্পনা এবং স্থানীয় সরকার উন্নয়ন পরিকল্পনাগুলির মধ্যে আরও সুসংগত ও অভিন্নতা নিশ্চিত করা (ভারতের কেরালা রাজ্যে বার্ষিক বা বার্ষিক বার্ষিক উন্নয়নের উপর ফোকাস করে একটি শক্তিশালী স্থানীয় উন্নয়ন ব্যবস্থা গড়ে তুলেছে। পঞ্চবার্ষিক উন্নয়ন পরিকল্পনা এবং বাজেট)। এটি স্থানীয় এবং উপ-জাতীয় সরকার, জাতীয় সরকার, ব্যবসা, সম্প্রদায়-ভিত্তিক সংস্থা এবং অন্যান্য স্থানীয় অভিনেতাদের একটি অভিন্নতা বিন্দু। SDGs স্থানীয়করণ স্থানীয় নেতাদের এবং সম্প্রদায়গুলিকে সহযোগিতামূলকভাবে ইনকিউবেটিং এবং সমাধানগুলি ভাগ করে নিতে, বাধাগুলি উন্মোচন করতে এবং কৌশলগুলি বাস্তবায়নে সহায়তা করে যা স্থানীয় পর্যায়ে SDGগুলিকে এগিয়ে নিতে সহায়ক হবে। এই পটভূমিতে, স্থানীয় উন্নয়নকে পুনরুজ্জীবিত করার জন্য, একটি বিস্তৃত পন্থা/কৌশল তৈরি করতে হবে যা স্থানীয় সরকারী (পঞ্চায়েত) স্তরে উন্নয়নের প্রক্রিয়াকে রূপান্তরিত করার সূচনা হিসাবে SDGগুলিকে কল্পনা করে। SDG-এর উদ্দেশ্য অর্জন লক্ষ্য নির্ধারণ, পর্যবেক্ষণ এবং বাস্তবায়নে বিদ্যমান অভিজ্ঞতার ভিত্তিতে তৈরি করা যেতে পারে এবং করা উচিত। 2030 এজেন্ডা বাস্তবায়নের জন্য শক্তিশালী ফলো-আপ এবং পর্যালোচনা পদ্ধতির জন্য সূচক এবং পরিসংখ্যানগত ডেটার একটি শক্ত কাঠামো প্রয়োজন। খিম, লক্ষ্য এবং সূচকের মাধ্যমে স্থানীয় সরকারী পর্যায়ে গৃহীত লক্ষ্যগুলি উচ্চাকাঙ্ক্ষী প্রকৃতির, প্রাসঙ্গিক এবং বিশ্বব্যাপী প্রযোজ্য জাতীয় নীতি এবং অগ্রাধিকারের সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ এবং সংক্ষিপ্ত এবং সহজে স্থানীয় বাস্তবতাগুলিকে বিবেচনায় রেখে বিশ্বব্যাপী লক্ষ্যগুলি স্থাপন করে। যোগাযোগ পদ্ধতি তদনুসারে এই উদ্যোগের উদ্দেশ্য হল একটি SDG লোকাল ইন্সট্রুমেন্ট ফ্রেমওয়ার্ক (LIF) এবং ওয়েব পোর্টাল ভিত্তিক SDG ড্যাশবোর্ড তৈরি করা, যা স্থানীয় সরকার এবং সম্প্রদায়গুলিকে স্থানীয় পর্যায়ে SDGগুলির প্রশিক্ষণ, পরিকল্পনা এবং পর্যবেক্ষণের জন্য সহায়তা করে।

স্থানীয় সরকারগুলি হল নীতি নির্ধারক, পরিবর্তনের অনুঘটক এবং বিশ্বব্যাপী লক্ষ্যগুলিকে স্থানীয় সম্প্রদায়ের সাথে সংযুক্ত করার জন্য সরকারের স্তর সবচেয়ে ভাল। স্থানীয়করণ উন্নয়ন তখন সমস্ত স্থানীয় স্টেকহোল্ডারদের ক্ষমতায়নের একটি প্রক্রিয়া, যার লক্ষ্য টেকসই উন্নয়নকে আরও প্রতিক্রিয়াশীল করে তোলা এবং সেইজন্য, স্থানীয় চাহিদা এবং আকাঙ্ক্ষার সাথে প্রাসঙ্গিক।

শুধুমাত্র বাস্তবায়নে নয়, এজেন্ডা নির্ধারণ ও পর্যবেক্ষণেও স্থানীয় অভিনেতারা সম্পূর্ণভাবে অংশগ্রহণ করলেই উন্নয়ন লক্ষ্যে পৌঁছানো সম্ভব। অংশগ্রহণের জন্য প্রয়োজন যে সর্বজনীন নীতিগুলি উপরে থেকে আরোপ করা হয় না, তবে পুরো নীতি চেইন ভাগ করা হয়। সমস্ত প্রাসঙ্গিক অভিনেতাদের অবশ্যই সিদ্ধান্ত গ্রহণের প্রক্রিয়ায় জড়িত থাকতে হবে, স্থানীয়, রাজ্য এবং জাতীয় স্তরে পরামর্শমূলক এবং অংশগ্রহণমূলক প্রক্রিয়ার মাধ্যমে। এই পটভূমিতে, স্থানীয় উন্নয়নকে পুনরুজ্জীবিত করার জন্য একটি বিস্তৃত পন্থা/কৌশল তৈরি করতে হবে যা পঞ্চায়েত স্তরে উন্নয়নের প্রক্রিয়াকে রূপান্তরিত করার সূচনা হিসাবে SDGগুলিকে কল্পনা করবে। এটি নিম্নলিখিত পদ্ধতিতে চালু করা যেতে পারে:

1. স্থানীয় নির্দেশক কাঠামো (LIF) নির্দেশক ফ্রেমওয়ার্ক ভূমিকা:

সূচকগুলি স্থানীয়, জাতীয়, আঞ্চলিক এবং বৈশ্বিক পর্যায়ে SDG-এর দিকে অগ্রগতি পর্যবেক্ষণের মেরুদণ্ড হবে। একটি সুনির্দিষ্ট নির্দেশক কাঠামো SDGs এবং তাদের লক্ষ্যগুলিকে শুধুমাত্র দেশ এবং বিশ্ব সম্প্রদায়কেই নয়, উপ-জাতীয় ও স্থানীয় স্তরগুলিকে বাস্তবায়নের কৌশল তৈরি করতে এবং সেই অনুযায়ী সম্পদ বরাদ্দ করতে সাহায্য করার জন্য একটি ব্যবস্থাপনার সরঞ্জামে পরিণত করবে। টেকসই উন্নয়নের দিকে তাদের অগ্রগতি পরিমাপ করতে এবং এসডিজি অর্জনের জন্য সমস্ত স্টেকহোল্ডারদের জবাবদিহিতা নিশ্চিত করতে তারা একটি রিপোর্ট কার্ড হিসাবেও কাজ করবে। আমরা আরও জোর দিই যে টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যগুলি কর্মমুখী, সংক্ষিপ্ত এবং সহজে যোগাযোগ করা, উচ্চাকাঙ্ক্ষী, বৈশ্বিক প্রকৃতির এবং সমস্ত দেশের জন্য সর্বজনীনভাবে প্রযোজ্য হওয়া উচিত, বিভিন্ন জাতীয় বাস্তবতা, সক্ষমতা এবং উন্নয়নের স্তরগুলিকে বিবেচনায় নিয়ে এবং জাতীয় নীতি এবং অগ্রাধিকারকে সম্মান করা। আমরা এটাও স্বীকার করি যে টেকসই উন্নয়ন অর্জনের জন্য লক্ষ্যগুলিকে সম্বোধন করা উচিত এবং অগ্রাধিকার ক্ষেত্রগুলিতে মনোনিবেশ করা উচিত।

* রিসার্চ অ্যাসোসিয়েট, কেরালা ইনস্টিটিউট অফ লোকাল অ্যাডমিনিস্ট্রেশন (ফোর্ট)

SDG-এর উদ্দেশ্য অর্জন লক্ষ্য নির্ধারণ, পর্যবেক্ষণ এবং বাস্তবায়নে বিদ্যমান অভিজ্ঞতার ভিত্তিতে তৈরি করা যেতে পারে এবং করা উচিত। টি হেমস, লক্ষ্য এবং সূচকগুলির মাধ্যমে গৃহীত এলএসজি স্তরের লক্ষ্যগুলি উচ্চাকাঙ্ক্ষী প্রকৃতির, প্রাসঙ্গিক এবং বিশ্বব্যাপী প্রযোজ্য লক্ষ্যগুলি স্থাপন করে, জাতীয় নীতি এবং অগ্রাধিকারের সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ এবং স্থানীয় বাস্তবতাগুলিকে সংক্ষিপ্ত এবং সহজে বিবেচনায় নেওয়া যোগাযোগ পদ্ধতি

এসডিজির স্থানীয়করণে এলএসজি নিশ্চিত না হওয়া পর্যন্ত তৃণমূল পর্যায় পর্যন্ত বৈশ্বিক সূচক এবং জাতীয় সূচককে সংযুক্ত করার পুনরাবৃত্তিমূলক প্রক্রিয়া। এসডিজির অধিকাংশ লক্ষ্যমাত্রা ও সূচক স্থানীয় পর্যায়ে অর্জন করতে হবে। বেশিরভাগ SDGs LSG-এর কাছে ন্যস্ত করা বিষয়গুলির সাথে সম্পর্কিত।

স্থানীয় নির্দেশক ফ্রেমওয়ার্ক তৈরি করা হয়েছে সমস্ত SDGs বিবেচনায় নেয়া তবে এটি সেই SDGগুলির উপর ফোকাস করে যেগুলি স্থানীয় পর্যায়ে কর্মের জন্য সরাসরি প্রাসঙ্গিক। এইভাবে উদ্যোগের প্রধান ফোকাস 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 12, 13, 14, 15, 16 এবং 17 অন্তর্ভুক্ত। এই লক্ষ্যগুলি অর্জনের জন্য সূচক এবং লক্ষ্যমাত্রা। এর ভিত্তি হল দেশটি স্থানীয় সরকারগুলির একটি ব্যবস্থা তৈরি করেছে এবং কেবলা রাজ্য তাদের কার্যবলী, কার্যকারিতা এবং তহবিলের হস্তান্তরের মাধ্যমে ক্ষমতায়িত করেছে। রাজ্য অংশগ্রহণমূলক স্থানীয় পরিকল্পনা এবং বাজেট নিয়ে এগিয়েছে যা উপরে উল্লিখিত SDG-এর জন্য প্রযোজ্য বিভিন্ন বিষয়ভিত্তিক ক্ষেত্রগুলিতে স্পর্শ করে। উদ্যোগের অংশ হিসাবে তৈরি করা স্থানীয় নির্দেশক কাঠামো স্থানীয় সরকারগুলির লক্ষ্য, সূচক এবং লক্ষ্য নির্ধারণের সুযোগ প্রদান করে, স্থানীয় উন্নয়ন বাস্তবতার সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ বৈশ্বিক এবং জাতীয় সূচকগুলিকে প্রাসঙ্গিক করে। এইভাবে পরিকল্পনা এবং বাজেট SDG-এর সাথে সারিবদ্ধভাবে ফলাফল ভিত্তিক হয়ে ওঠে। ওয়েব-পোর্টাল ভিত্তিক ড্যাশবোর্ড হল একটি ইন্টারেক্টিভ টুল যা পরিকল্পনা ও পর্যবেক্ষণে সাহায্য করে। এটি সম্প্রদায়গুলিকে স্থানীয় SDG অবস্থা সম্পর্কে সচেতন হতে সাহায্য করে যা উন্নয়ন প্রক্রিয়াকে স্বচ্ছ এবং জবাবদিহি করে তোলে।

লাইন বিভাগের কর্মকর্তা, স্থানীয় সরকারের নির্বাচিত কর্মকর্তা এবং নাগরিকরা প্রধান স্টেকহোল্ডার। উদ্যোগটি একটি পরিকল্পনা এবং পর্যবেক্ষণ কাঠামো প্রদান করে, যেখানে অংশগ্রহণকারীদের রাজ্য স্তরের ডেটার মধ্য দিয়ে যেতে হবে, তাদের জেলা স্তরের ডেটার সাথে তুলনা করতে হবে এবং উন্নয়নের ফাঁকগুলি চিহ্নিত করতে হবে, যদি থাকে। চিহ্নিত উন্নয়ন ফাঁকের ভিত্তিতে স্থানীয় পর্যায়ে কৌশল প্রণয়ন করা যেতে পারে। এটি অংশগ্রহণকারীদের বিভিন্ন কিম ম্যাপ করতে এবং কনভারজেন্সের সম্ভাবনাগুলি অন্বেষণ করতে সক্ষম করে। ওয়েব ভিত্তিক ড্যাশবোর্ডে প্রবর্তিত মনিটরিং ফ্রেমওয়ার্ক অংশগ্রহণকারীদের বিভিন্ন কোণ থেকে SDG অর্জনের অগ্রগতি পরিকল্পনা এবং নিরীক্ষণ করতে সহায়তা করে। কেবলা ইনস্টিটিউট অফ লোকাল অ্যাডমিনিস্ট্রেশন (KILA) এই স্টেকহোল্ডারদের SDG-এর পরিকল্পনা, স্থানীয়করণ এবং উন্নত সরঞ্জামগুলি ব্যবহার করার প্রশিক্ষণ প্রদান করে। এই প্রশিক্ষণগুলি ব্যাচে, প্রতিটি স্টেকহোল্ডার গ্রুপের জন্য এবং একটি ক্যাসকেডিং উপায়ে করা হয়। উপরন্তু, বিষয়টি স্থানীয় অংশগ্রহণমূলক উন্নয়ন পরিকল্পনার জন্য স্থানীয় সরকারী কর্মকর্তাদের প্রশিক্ষণে অন্তর্ভুক্ত করা হয়েছে। এই বছর থেকে, কেবলা সরকার কর্তৃক জারি করা স্থানীয় সরকারগুলির স্থানীয় পরিকল্পনার নির্দেশিকাগুলিতে SDG ভিত্তিক পরিকল্পনা অন্তর্ভুক্ত করা হয়েছে।

SDGs স্থানীয়করণে, সূচক এবং লক্ষ্যগুলি স্থানীয় স্তরের সাথে খাপ খাইয়ে নিতে হবে যা LIF প্রদান করে। সিদ্ধান্ত গ্রহণকারীদের লক্ষ্য নির্ধারণ, কর্ম পরিকল্পনা এবং নিরীক্ষণের জন্য তথ্য এবং ডেটা প্রয়োজন। সঠিক তথ্য এবং সংস্থানগুলিতে অ্যাক্সেস, পরিকল্পনা এবং সম্পদের বরাদ্দ উন্নত করতে সহায়তা করে। এই কর্মগুলি ফলাফল ভিত্তিক হতে হবে এবং LIF এই সুযোগ প্রদান করে। ডেটা ড্যাশবোর্ড পরিকল্পনা, পর্যবেক্ষণ, পরিমাপ, বিশ্লেষণ এবং বিভিন্ন ডেটাসেট থেকে প্রাসঙ্গিক অন্তর্দৃষ্টি বের করার ইন্টারেক্টিভ উপায় সরবরাহ করে। অনলাইন ডেটা ভিজ্যুয়লাইজেশন ঐতিহাসিক নিদর্শন, পারস্পরিক সম্পর্ক এবং প্রবণতাগুলির জন্য দরকারী যা একটি অনলাইন পরিবেশে কর্মযোগ্য অন্তর্দৃষ্টি তৈরি করতে সহায়তা করে।

2. পঞ্চায়েতের জন্য একটি ড্যাশবোর্ড

“ড্যাশবোর্ডগুলি সরকার এবং অন্যান্য স্টেকহোল্ডারদের জন্য টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যমাত্রা (SDGs) এর অগ্রগতি পরিমাপ করার জন্য এবং বাস্তবায়ন এবং ডেটা উভয় ক্ষেত্রেই ফাঁক হাইলাইট করার জন্য একটি হাতিয়ার হিসাবে উদ্ভিষ্ট। ইন্টারেক্টিভ ড্যাশবোর্ডগুলি কর্মের জন্য অগ্রাধিকারগুলি সনাক্ত করতে SDGs দ্বারা দেশগুলির কর্মক্ষমতার একটি ভিজ্যুয়াল উপস্থাপনা প্রদান করে। পঞ্চায়েত স্তরে, ডেটা বিপ্লব সম্প্রদায়কে লক্ষ্য এবং সূচকগুলি চিহ্নিত করতে এবং ডিজাইন করতে সক্ষম করে যা তাদের প্রসঙ্গের জন্য বিশেষভাবে বোঝা যায়। সম্প্রদায় তাদের লক্ষ্য অর্জনে যে অগ্রগতি করে তা ট্র্যাক করার জন্য এটি একটি প্র্যাটফর্ম প্রদান করে। সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ, এটি নিশ্চিত করে যে সবাই উন্নয়নের বিষয়ে একটি কঠোর অর্জন করে। প্রত্যেকেরই পঞ্চায়েতের ডেটা পরীক্ষা করার পাশাপাশি নাগরিক ডেটা তৈরি করার ক্ষমতা রয়েছে যা তাদের বাস্তবতার ভিত্তিতে তাদের সমস্যাগুলির সমর্থন উন্নত করতে ব্যবহার করা যেতে পারে।

কিলা স্থানীয় স্বাস্থ্যসেবার (এলএসজি) জন্য এসডিজির জন্য প্রশিক্ষণ টুলকিট তৈরি করেছে। প্রশিক্ষণ টুলকিট স্থানীয় স্তর থেকে রাজ্য স্তর পর্যন্ত একটি অনুসন্ধানযোগ্য ডেটাবেস; এটি ডেটার গুণমান, নির্ভরযোগ্যতা, প্রাপ্যতা এবং তুলনায়োগ্যতা উন্নত করার প্রচেষ্টাকে সমর্থন করে, যা সমস্ত স্টেকহোল্ডারদের তাদের নিজ নিজ এলাকায় তাদের নিজস্ব ডেটা তৈরি করতে সহায়তা করে। এটি শেষ পর্যন্ত স্থানীয় সরকারগুলিকে প্রতিটি সূচকের ক্ষেত্রে তাদের অবস্থা পর্যালোচনা, বিশ্লেষণ এবং সংশোধন করতে সহায়তা করে এবং প্রতিটি সেক্টরের ফাঁকগুলি চিহ্নিত করতে এবং SDG অর্জনের চ্যালেঞ্জগুলি মোকাবেলা করার জন্য এবং সমাজের উন্নতি ও রূপান্তরের জন্য সেই অনুযায়ী পরিকল্পনা করতে সহায়তা করে। এসডিজি, রাজ্যের নীতি, রাজ্য পঞ্চবার্ষিক পরিকল্পনা এবং স্থানীয় স্ব-সরকার উন্নয়ন পরিকল্পনার মধ্যে আরও সুসংগত এবং অভিন্নতা। এসডিজিগুলির জন্য একটি ডেটা বিপ্লবের দিকে, সূচকগুলির ভূমিকা

সূচকগুলি স্থানীয়, জাতীয়, আঞ্চলিক এবং বৈশ্বিক পর্যায়ে SDG-এর দিকে অগ্রগতি পর্যবেক্ষণের মেরুদণ্ড হবে। একটি সাউন্ড ইন্ডিকেটর ফ্রেমওয়ার্ক SDGs এবং তাদের লক্ষ্যগুলিকে একটি ম্যানেজমেন্ট টুলে পরিণত করবে দেশগুলি এবং বিশ্ব সম্প্রদায়কে বাস্তবায়নের কৌশল তৈরি করতে এবং সেই অনুযায়ী সম্পদ বরাদ্দ করতে সহায়তা করার জন্য। টেকসই উন্নয়নের দিকে অগ্রগতি পরিমাপ করতে এবং এসডিজি অর্জনের জন্য সমস্ত স্টেকহোল্ডারদের জবাবদিহিতা নিশ্চিত করতে তারা একটি রিপোর্ট কার্ড হিসাবেও কাজ করবে। এসডিজিগুলির জন্য সূচক কাঠামো পর্যবেক্ষণের জন্য একটি এলএসজি স্তরের ড্যাশবোর্ড তৈরির মাধ্যমে এটি কার্যকর করা যেতে পারে।



পঞ্চায়েতের জন্য ড্যাশবোর্ড

SDGs স্থানীয়করণের জন্য একটি মনিটরিং প্রক্রিয়া হিসাবে সিদ্ধান্ত গ্রহণকারী, নীতি নির্ধারক এবং পরিষেবা প্রদানকারীদের তাদের পরিষেবার মান উন্নত করার জন্য সঠিক এবং সময়োপযোগী তথ্য এবং ডেটা প্রয়োজন। সময়মত এবং সঠিক তথ্য এবং সংস্থানগুলিতে অ্যাক্সেস, সম্পদের পরিকল্পনা এবং বরাদ্দ সহ বিদ্যমান সমস্যাগুলিতে যথাযথভাবে প্রতিক্রিয়া জানাতে সহায়তা করে এবং ভবিষ্যতে প্রতিরোধমূলক পদক্ষেপগুলির জন্য পরিকল্পনা করতে সক্ষম করে।

• এই ড্যাশবোর্ডের মাধ্যমে রাজ্য, জেলা এবং স্থানীয় কর্মীরা লক্ষ্যমাত্রা তৈরি করতে পারে, SDG অর্জনের অগ্রগতি ট্র্যাক করতে এবং পর্যবেক্ষণ করতে পারে।

• এমনকি জনসাধারণ ভবিষ্যতে এই প্র্যাটফর্মটি অ্যাক্সেস করতে পারে এবং স্ব-মূল্যায়ন এবং সহায়তা প্রচেষ্টার জন্য নির্দেশিকা প্রদান করতে পারে, একটি উন্নত বোঝার জন্য;

• স্থানীয় থেকে রাজ্য স্তরে ডেটা সংগ্রহ, বিশ্লেষণ এবং ভাগ করে নেওয়া।

• পরিবেশ, স্বাস্থ্য, শিক্ষা, কৃষি, কর্মসংস্থান, শিল্প এবং শক্তি ইত্যাদি সহ বিভিন্ন থিমের উপর স্থানীয় পর্যায়ে তথ্যের উদ্ভাবনী উত্স সনাক্ত করতে সহায়তা করে।

• স্থানীয় ও রাষ্ট্রীয় পর্যায়ে এসডিজির দিকে অগ্রগতি পর্যবেক্ষণ করা।

- একটি ডেটা ড্যাশবোর্ড হল একটি টুল যা একটি ইন্টারেক্টিভ, স্বজ্ঞাত এবং ভিজ্যুয়াল উপায়ে তথ্য প্রদর্শন করার সময় বিভিন্ন ডেটাসেট থেকে নিরীক্ষণ, পরিমাপ, বিশ্লেষণ এবং প্রাসঙ্গিক অন্তর্দৃষ্টি বের করার একটি কেন্দ্রীভূত, ইন্টারেক্টিভ উপায় সরবরাহ করে।

- অনলাইন ডেটা ভিজ্যুয়লাইজেশন হল একটি শব্দ যা ডেটাসেটগুলি বের করার প্রক্রিয়াকে বর্ণনা করে এবং তাদের একটি ভিজ্যুয়াল, গ্রাফিক উপায়ে উপস্থাপন করার সময় ঐতিহাসিক নিদর্শন, পারস্পরিক সম্পর্ক এবং প্রবণতা প্রকাশ করে যা ব্যবহারকারীদের একটি অনলাইন পরিবেশে কার্যকর অন্তর্দৃষ্টি তৈরি করতে সহায়তা করে।

ড্যাশবোর্ড- সামনের প্রান্ত

এটি ড্যাশবোর্ডের সামনের প্রান্ত। এই নিম্নলিখিত গঠিত

- লক্ষ্য অনুসারে বিভিন্ন SDG সূচকের জন্য দ্রুত অনুসন্ধান।
- ক্লাউড-ভিত্তিক ওপেন-সোর্স SDG রিপোর্টিং এবং পর্যবেক্ষণ সমাধান।
- টার্গেট
- সূচক

- লক্ষ্য অনুযায়ী কর্মক্ষমতা বিশ্লেষণ।
- SDG নির্দেশক কর্মক্ষমতা থিম্যাটিকভাবে দেখুন।
- LSG এবং এর কার্যকারিতা দ্বারা ডেটা দেখতে লক্ষ্য, লক্ষ্য এবং সূচকগুলি প্রসারিত এবং সংকুচিত করুন।
- লক্ষ্য এবং সূচক সহ প্রতিটি লক্ষ্যের গ্রাফিক্যাল উপস্থাপনা।
- বিভিন্ন চার্টে সময়কাল অনুসারে নির্বাচিত সূচক এবং এর স্তরবিন্যাস দেখার জন্য কাস্টমাইজযোগ্য চার্ট।
- একটি অ্যানিমেটেড চার্টে একটি সময়ের মধ্যে বহুমাত্রিক ডেটা কাস্টমাইজ করুন এবং দেখুন।
- সূচক দ্বারা LSG-এর র্যাঙ্কিং/স্ট্যাটাস কাস্টমাইজ করুন এবং দেখুন।
- এলএসজিগুলির জন্য এসডিজি পর্যবেক্ষণ প্রতিবেদন তৈরি করুন।
- চার্ট ডাউনলোড করুন এবং সোশ্যাল মিডিয়াতে শেয়ার করুন।
- নিবন্ধন করুন এবং ড্যাশবোর্ডে আপনার ডেটা দেখুন।
- যোগাযোগ
- SDG ইন্টারেক্টিভ ডেটা ড্যাশবোর্ড আঞ্চলিক, জাতীয়, উপ-জাতীয় এবং পঞ্চায়েত স্তরে বা এমনকি একটি নির্দিষ্ট টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যের জন্য কাস্টমাইজ করা যেতে পারে।

SDG-এর পরিকল্পনা ও পর্যবেক্ষণের ড্যাশবোর্ড- সম্প্রসারিত দৃশ্য

M&E প্র্যাটফর্মটি SDGs এবং পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনা এবং এই জাতীয় ফলাফলের কাঠামোর উপর নজরদারি, পর্যবেক্ষণ এবং রিপোর্ট করতে সহায়তা করার জন্য তৈরি করা হয়েছে। এটি একটি ব্যবহারকারী-বান্ধব এবং ওয়েব-ভিত্তিক ডিজিটাল প্র্যাটফর্ম, যা যোগাযোগ এবং সমন্বয়ের ফাঁকি উন্নত করবে। অত্যাধুনিক যোগাযোগ পদ্ধতি ব্যবহার করে এটি পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনার কার্যকারিতা এবং কার্যকারিতা উন্নত করবে, যার মধ্যে SDG এবং জাতীয় ফলাফলের যোগাযোগ রয়েছে এবং উন্নত যোগাযোগের চ্যানেল স্থাপনের মাধ্যমে পর্যবেক্ষণ ও মূল্যায়ন পর্যায়ে উল্লেখযোগ্যভাবে প্রভাব ফেলবে এবং এর স্বচ্ছতা ও উন্মুক্ততা বৃদ্ধি পাবে। বাস্তবায়ন প্রক্রিয়া। প্র্যাটফর্মটি সবাইকে এক-স্টপ শপ হিসাবে নিযুক্ত রাখে যেখানে লোকেরা সর্বশেষ তথ্য এবং বিষয়বস্তু খুঁজে পেতে পারে।

বর্ধিত দৃষ্টিভঙ্গিতে এটি জাতীয় এবং রাষ্ট্রীয় মূল্যের সাথে বছরের সাপেক্ষে লক্ষ্যভিত্তিক বিশ্লেষণ দেখায়। এবং এছাড়াও আমরা প্রতিটি জিপি, বিপি, ডিপি স্তর সম্পর্কিত বছরের স্থিতি দেখতে পারি।



জাতীয় সূচকের সাথে লক্ষ্য

এই পৃষ্ঠায় আমরা জাতীয় এবং রাজ্য স্তরের মান সহ প্রতিটি লক্ষ্যের কর্মক্ষমতা স্তর দেখতে পারি।

প্রধান সুবিধা

- লক্ষ্য, লক্ষ্য এবং সূচক দ্বারা আপনার জাতীয় SDG কর্মক্ষমতা দেখুন।
- ডেটা ফাঁক সনাক্ত করুন, LSG-এর সাথে প্রাসঙ্গিক SDG সূচকগুলি তুলনা করুন এবং বিশ্লেষণ করুন।
- SDG ডেটা প্রাপ্যতা এবং ফাঁকগুলির মূল্যায়নে সহায়তা করুন, আঞ্চলিক, জাতীয়, উপ-জাতীয় এবং পঞ্চায়েত SDG ডেটা মনিটরিং ড্যাশবোর্ড এবং রিপোর্টগুলি ডিজাইন এবং বিকাশ করুন।
- যেখানে জিপি জাতীয় এবং রাজ্য গড়ের তুলনায় দাঁড়ায়।
- GDP এর মাধ্যমে কর্মের জন্য পরিকল্পনা করুন।
- প্রতিটি এল.এসজির জন্য নিজেরাই প্রয়োজন হলে নতুন সূচক যোগ করুন।
- নিজেরাই প্রত্যেকের জন্য স্থানীয় লক্ষ্য নির্ধারণ করুন।
- বার্ষিক আপডেট নিরীক্ষণে সাহায্য করবে।
- এগুলি পঞ্চায়েত স্তরে নিজেরাই করা যেত।
- গ্রামসভায় প্রজেক্ট করা যেতে পারে।
- SDGs পরিকল্পনা এবং পর্যবেক্ষণ ড্যাশবোর্ড।

শিক্ষার জন্য টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্য স্থানীয়করণ

* জে। পি পান্ডে, I.R.P.S.

শিক্ষা মানবতার অগ্রগতিতে গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করে। এটি জীবনের উন্নতির জন্যও একটি গুরুত্বপূর্ণ বিষয়। SDG4 অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং ন্যায্যসঙ্গত মানসম্পন্ন শিক্ষা নিশ্চিত করতে এবং সকলের জন্য আজীবন শেখার সুযোগ উন্নীত করার পরিকল্পনা করে। SDG4 10টি লক্ষ্য নিয়ে গঠিত। সকল নারী ও পুরুষের জন্য সাশ্রয়ী মূল্যের এবং মানসম্পন্ন প্রযুক্তিগত, বৃত্তিমূলক, তৃতীয় শিক্ষা এবং দক্ষতা, লিঙ্গ বৈষম্য দূর করা, ন্যায্যপারায়ণতা, শান্তি ও অহিংসার সংস্কৃতির প্রচার, বৈশ্বিক নাগরিকত্ব এবং সাংস্কৃতিক বৈচিত্র্য এবং সংস্কৃতির অবদানের প্রশংসা করা। টেকসই উন্নয়নের জন্য, যোগ্য শিক্ষকের সরবরাহ উল্লেখযোগ্যভাবে বৃদ্ধি করা প্রধান শিক্ষাগত লক্ষ্য।



এসডিজিতে ভারতের প্রতিশ্রুতি 4

বৈশ্বিক SDG প্রতিশ্রুতির অন্যতম প্রধান অংশীদার। প্রায় 26 কোটি শিক্ষার্থীর বাড়ি, ভারত SDG অর্জনের জন্য তার সমস্ত নীতি, কর্মসূচি এবং পরিকল্পনাগুলিকে একত্রিত করেছে। SDG4-এর জন্য ভারতের দৃঢ় প্রতিশ্রুতি তার জাতীয় শিক্ষা নীতি 2020-এ প্রতিফলিত হয়েছে। SDG ঘোষণার পর এটিই প্রথম শিক্ষা নীতি, যার লক্ষ্য আমাদের দেশের ক্রমবর্ধমান উন্নয়নমূলক প্রয়োজনীয়তাগুলিকে মোকাবেলা করা। এনইপি ভারতের ঐতিহ্য এবং মূল্য ব্যবস্থার উপর ভিত্তি করে গড়ে তোলার সময় 21 শতকের উচ্চাকাঙ্ক্ষী লক্ষ্যগুলির সাথে সারিবদ্ধ করার জন্য শিক্ষা কাঠামোর সমস্ত দিকগুলির সংশোধন এবং পুনর্গঠনের প্রস্তাব করেছে। 6 থেকে 14 বছর বয়সী শিশুদের জন্য বিনামূল্যে এবং বাধ্যতামূলক প্রাথমিক শিক্ষা প্রদানের জন্য শিক্ষার অধিকার আইনের প্রয়োগ সকলের জন্য শিক্ষাকে বাধ্যতামূলক করার

ভারতের দৃষ্টিভঙ্গির সাক্ষ্য দেয়। এটি প্রাথমিক শিক্ষায় একটি উন্নত নেট তালিকাভুক্তির হারের দিকে পরিচালিত করেছে। 294283.04 কোটি রুপি আনুমানিক ব্যয় সহ 1 এপ্রিল 2021 থেকে 31 শে মার্চ, 2026 পর্যন্ত বাস্তবায়িত হবে NEP 2020 এর লক্ষ্য ও উদ্দেশ্যগুলির জন্য তার ফ্ল্যাগশিপ সমগ্র শিক্ষা প্রকল্পগুলিকে পুনর্গঠন করেছে। সমগ্র শিক্ষা হল স্কুল শিক্ষার একটি সমন্বিত স্কিম যা প্রাক-প্রাথমিক থেকে 12 তম গ্রেড পর্যন্ত SDG4-এর সাথে সংযুক্ত রয়েছে যাতে সমস্ত শিশু একটি ন্যায্যসঙ্গত এবং অন্তর্ভুক্তিমূলক শ্রেণীকক্ষ পরিবেশের সাথে মানসম্পন্ন শিক্ষার অ্যাক্সেস নিশ্চিত করতে পারে।

2021-22 থেকে 2025-26 পর্যন্ত পাঁচ বছরের জন্য রুপির আর্থিক ব্যয়ের সাথে প্রধানমন্ত্রী পোষণ শক্তি নির্মাণ (PM POSHAN) চালু করেছে। 54061.73 কোটি। এতে বালভাটিকা যোগের সাথে মিড-ডে মিলের সমস্ত উপাদান অন্তর্ভুক্ত রয়েছে। এই স্কিমটি SDG 2 এবং 4 এর পাশাপাশি স্কুল শিক্ষায় অন্তর্ভুক্তির জন্য প্রাসঙ্গিক। PM POSHAN-এর লক্ষ্য হল প্রথম থেকে অষ্টম শ্রেণীতে অধ্যয়নরত শিশুদের পুষ্টির অবস্থার উন্নতি করা, দরিদ্র শিশুদের আরও নিয়মিত স্কুলে যেতে উৎসাহিত করা এবং তাদের শ্রেণীকক্ষের কার্যক্রমে মনোনিবেশ করতে সাহায্য করা।

এসডিজির স্থানীয়করণ 4

স্থানীয়করণ এসডিজি অর্জনে বিশেষ করে তৃণমূল পর্যায় থেকে সকল স্তরের প্রত্যয় ও প্রতিশ্রুতি নিশ্চিত করতে পারে। যতক্ষণ না এটি প্রশাসন ও বাস্তবায়নের সকল স্তরে পৌঁছাবে, ততক্ষণ পর্যন্ত এর প্রকৃত চেতনায় এটি অর্জন করা অসম্ভব হবে। এসডিজির সবকটি লক্ষ্যমাত্রা সরাসরি স্থানীয় ও আঞ্চলিক সরকারের দায়িত্বের সাথে সম্পর্কিত। লক্ষ্য নির্ধারণ থেকে শুরু করে বাস্তবায়নের পদ্ধতি নির্ধারণ করা এবং জাতীয়, রাজ্য / কেন্দ্রশাসিত অঞ্চল, জেলা, ব্লক এবং গ্রাম স্তরে অগ্রগতি পরিমাপ ও নিরীক্ষণের জন্য সূচকগুলি ব্যবহার করা সর্বাধিক গুরুত্বপূর্ণ গুরুত্ব – জনগণের মধ্যে সচেতনতা বৃদ্ধি করা গুরুত্বপূর্ণ কারণ জনগণের আন্দোলন এবং সম্প্রদায়, এনজিও, সুশীল সমাজ সংস্থার অংশগ্রহণ এবং সহযোগিতা গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করতে পারে। এসডিজি 4-এর একটি অর্জন নির্ভর করবে আমাদের গ্রাম ও বিদ্যালয়ে বাস্তবে পরিণত করার ক্ষমতার ওপর।

স্কুল ইকোসিস্টেমে 15 লক্ষেরও বেশি স্কুল, 26 কোটির বেশি ছাত্র এবং 96 লক্ষ শিক্ষক প্রাক-প্রাথমিক থেকে সিনিয়র সেকেন্ডারি স্তরের অন্তর্ভুক্ত। এতে সমস্ত স্টেকহোল্ডারদের অন্তর্ভুক্ত করা হয় যেমন, শিক্ষক, শিক্ষক শিক্ষিকা, ছাত্র, অভিভাবক, সম্প্রদায়, স্কুল পরিচালনা কমিটি, SCERTs, DIETs, BITEs, ব্লক রিসোর্স পার্সন, ক্লাস্টার রিসোর্স পার্সন, মানসম্মত, অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং ন্যায্যসঙ্গত শিক্ষা প্রদানের জন্য স্বৈচ্ছাসেবক। স্থানীয়করণের গুরুত্ব স্বীকার করে, আমাদের সংবিধান শিক্ষাকে সমকালীন তালিকায় অন্তর্ভুক্ত করেছে।

* পরিচালক, স্কুল শিক্ষা বিভাগ, শিক্ষা মন্ত্রণালয়, ভারত সরকার

SDG4 এর স্থানীয়করণের প্রক্রিয়াটি বিভিন্ন ধাপ এবং স্তরে দেখা যেতে পারে।

কেন্দ্র পর্যায়ে

সমগ্র শিক্ষা ক্ষিম সমস্ত স্তরে পরিকল্পনা, বাস্তবায়ন প্রক্রিয়া এবং লেনদেনের খরচে সাহায্য করে। কেন্দ্র পরিকাঠামো শক্তিশালীকরণের জন্য সহায়তা প্রদান করে যার মধ্যে রয়েছে মেয়েদের এবং বিশেষ প্রয়োজনযুক্ত শিশুদের (CWSN) অন্তর্ভুক্তিমূলক শিক্ষার জন্য প্রয়োজনীয় পরিকাঠামো, মান ও উদ্ভাবনের উপাদান RTE, স্কুল অনুদান, প্রারম্ভিক শৈশব যত্ন এবং শিক্ষা এবং মৌলিক সাক্ষরতা এবং সংখ্যাতা, ইকুইটি এবং এর অধীনে সুবিধাভোগী ভিত্তিক এনটাইটেলমেন্ট অন্তর্ভুক্তি, শিক্ষণ শেখার উপাদান, স্কুলের নেতাদের প্রশিক্ষণ এবং এসএমসি/শিক্ষকদের সক্ষমতা বৃদ্ধি, আইসিটি, স্মার্ট ক্লাসরুম, ডিজিটাল ব্যবহারের জন্য, বৃত্তিমূলক হস্তক্ষেপ ইত্যাদি। প্রকল্প অনুমোদন বোর্ড রাজ্য / কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলির সাথে ইচ্ছাকৃতভাবে এবং একটি নির্দিষ্ট আর্থিক বছরের জন্য শারীরিক ও আর্থিক অনুমোদন প্রদান করে। প্রকল্পটি বাস্তবায়নের জন্য জেলা এবং উপ-জেলা স্তরের সিস্টেম এবং সংস্থান ব্যবহার করে।

স্কুল শিক্ষা বিভাগ NEP 2020 বাস্তবায়নের জন্য একটি বিস্তৃত পরিকল্পনা "SARTHAQ" তৈরি করেছে। বিভিন্ন লক্ষ্যমাত্রা, KPIs এবং পরামিতি, জাতীয় পাঠ্যক্রম কাঠামো থেকে কৌশল ও নির্দেশিকা প্রণয়ন, নিপুন ভারত, নিশ্চয় শিক্ষক প্রশিক্ষণ, লার্নিং এনহ্যান্সমেন্ট প্রোগ্রাম এবং প্রতিকারমূলক শিক্ষা মানসম্মত শিক্ষা নিশ্চিত করতে মূল্যায়ন সংস্কার গুরুত্বপূর্ণ।

ই নভেম্বর 2021 -এ সারা দেশে 34, 5, 8 এবং 10 শ্রেণী থেকে প্রায় 34 লক্ষ শিশুর শেখার ফলাফলের মূল্যায়ন করে জাতীয় অর্জন সমীক্ষা (NAS) পরিচালনা করেছে। NAS 2021-এর ফলাফলগুলি জাতীয় আকারে প্রকাশ করা হবে, রাজ্য এবং জেলা রিপোর্ট, যা বর্ণালী জুড়ে কর্মক্ষমতা তুলনা করতে এবং বিভিন্ন স্তরে পুনরায় মধ্যস্থতার জন্য প্রয়োজনীয় পদক্ষেপ নিতে সাহায্য করবে।

পারফরম্যান্স গ্রেডিং ইনডেক্স (PGI) ধারণাটি স্কুল শিক্ষার ক্ষেত্রে রূপান্তরমূলক পরিবর্তনকে পূরণ করে, যেখানে মনোযোগ এখন শিক্ষার মানের দিকে স্থানান্তরিত হয়েছে। 70টি সূচক সমন্বিত সূচকটি রাজ্য এবং কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলিকে বহুমুখী হস্তক্ষেপ গ্রহণের দিকে পরিচালিত করে। এখন জেলা-ভিত্তিক PGI হল জেলাগুলিকে উত্সাহিত ও সংবেদনশীল করার জন্য এই সূচকটিকে স্থানীয়করণের আরেকটি পদক্ষেপ।

রাজ্য / কেন্দ্রশাসিত অঞ্চল স্তরে

সমগ্র শিক্ষা সমস্ত রাজ্য / কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলির বাস্তবায়নকারী সমিতি নীচের জেলাগুলির সাথে এবং শীর্ষে কেন্দ্রের সাথে সমন্বয় করে, প্রকল্পটি পরিকল্পনা করে এবং কার্যকর করে। ভারত একটি বৈচিত্র্যময় জাতি। বিভিন্ন গোষ্ঠীকে মোকাবেলা করার জন্য স্থানীয় চাহিদার সাথে ক্ষিমগুলির উপাদানগুলির প্রাসঙ্গিককরণ গুরুত্বপূর্ণ। রাষ্ট্রীয় বোর্ডের ধারণা এবং রাষ্ট্রীয় পাঠ্যক্রম শিক্ষার স্থানীয়করণের সারমর্মকে ব্যাপকভাবে ঝোঁকায়। SCERT এবং রাজ্য/UTs-এর অন্যান্য বিভিন্ন প্রতিষ্ঠান শিক্ষামূলক পরিকল্পনা বাস্তবায়নে সাহায্য করে। শিক্ষাগত জিন্সকম্পায়ের মান এবং অ্যাঙ্কসের উন্নতির জন্য উদ্ভাবনী রাষ্ট্র নির্দিষ্ট প্রকল্পের পরিকল্পনা করা হয়েছে।

জেলা পর্যায়ে

মৌলিক বাস্তবায়ন ইউনিট হওয়ার কারণে, পরিকল্পনার স্থানীয়করণ এবং পর্যবেক্ষণ এবং জেলা পর্যায়ে সমন্বিত শিক্ষা প্রকল্পের বাস্তবায়ন একটি বৈশিষ্ট্য। ডিস্ট্রিক্ট ইনস্টিটিউট অফ টিচার এডুকেশন (DIETs) অবিচ্ছিন্ন শিক্ষকের পেশাগত উন্নয়ন, স্কুল সহায়তা এবং উন্নতি এবং জেলা পর্যায়ে উদ্ভাবনের প্রচারের জন্য

সহায়তা প্রদান করে ব্লক/ক্লাস্টার স্তরে-

ব্লক রিসোর্স সেন্টার এবং ক্লাস্টার রিসোর্স সেন্টার ব্লক এবং ক্লাস্টার স্তরে স্কুল স্তরে শিক্ষার মান নিশ্চিত ও মূল্যায়ন করার জন্য এবং সময়মত প্রতিকারমূলক হস্তক্ষেপ প্রদানের জন্য সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ইউনিট। বিআরসি এবং সিআরসিগুলি একাডেমিক সম্পদের ভাণ্ডার হিসাবে কাজ করে, ইন-সার্ভিস শিক্ষক প্রশিক্ষণ পরিচালনা করে, নিয়মিত স্কুল পরিদর্শন করে এবং শিক্ষক ও স্কুলগুলিকে একাডেমিক সহায়তা প্রদানের পাশাপাশি কমিউনিটি মোবাইলাইজেশন কার্যক্রমে সাহায্য করে, অন্যান্য রাজ্য/জেলা স্তরের কাঠামোর সাথে সংযোগ স্থাপন করে। স্থানীয় পর্যায়ে প্রশিক্ষণ সহায়তা প্রদানের জন্য ব্লক ইনস্টিটিউট অফ টিচার এডুকেশন (BIETs) এরও পরিকল্পনা করা হয়েছে।



স্কুল পর্যায়ে

SDG 4 অনুযায়ী প্রাক-বিদ্যালয় থেকে সিনিয়র সেকেন্ডারি পর্যায় পর্যন্ত অন্তর্ভুক্তিমূলক এবং ন্যায্যসম্মত মানসম্পন্ন শিক্ষা নিশ্চিত করার জন্য প্রাথমিক ইউনিট হিসাবে স্কুলের কল্পনা করা হয়েছে। পৃথক ছাত্রদের সমর্থন ও ক্ষমতায়ন করা এবং আজীবন শিক্ষা ও কর্মসংস্থান সক্ষম করা গুরুত্বপূর্ণ। সকল শিক্ষার্থীর জন্য একাডেমিক পারফরম্যান্স এবং শেখার উন্নতি করা এবং স্কুল স্তরে নকশা ও উদ্ভাবনের সংস্কৃতির প্রচার, লালন ও অগ্রগতি অর্জন করতে হবে। NEP শিক্ষকদের উদ্ভাবন এবং শ্রেণীকক্ষ লেনদেনে উদ্ভাবনী শিক্ষাবিদ্যা প্রয়োগ করতে উত্সাহিত করেছে। পুরো স্কুল ভিত্তিক পরিকল্পনা এবং বাস্তবায়ন পদ্ধতির একটি দৃষ্টান্ত পরিবর্তন। শিক্ষণ শেখার প্রক্রিয়া উন্নত করার জন্য বিভিন্ন হস্তক্ষেপ সরাসরি স্কুলগুলিতে প্রদান করা হয়। বার্ষিক স্কুল কম্পোজিট অনুদান অকার্যকর স্কুল সরঞ্জাম প্রতিস্থাপনের জন্য এবং অন্যান্য পুনরাবৃত্ত খরচ যেমন খেলার উপকরণ, খেলাধুলার সরঞ্জাম, পরীক্ষাগার, বিদ্যুতের চার্জ, ইন্টারনেট, জল, শিক্ষাদানের উপকরণ ইত্যাদির জন্য ব্যবহারযোগ্য খরচের জন্য প্রদান করা হয়। গ্রন্থাগার একটি অপরিহার্য উপাদান।

লাইব্রেরি অনুদান পাঠের অভ্যাস প্রচারের জন্য প্রদান করা হয়। শিশুদের সামগ্রিক বিকাশের প্রয়োজনীয়তা উপলব্ধি করে, সমস্ত স্কুলে যোগব্যায়াম এবং শারীরিক কার্যকলাপকে উৎসাহিত করা হয়। খেলাধুলার জন্য আর্থিক সহায়তা প্রদান করা হয় ক্রীড়া সরঞ্জাম ক্রয়, কার্যক্রম পরিচালনা, প্রতিযোগিতা ইত্যাদির জন্য। শিক্ষার্থীদের বিকাশের জন্য বিদ্যালয়গুলিকে কার্যকলাপ কেন্দ্রে রূপান্তরিত করতে হবে। বিভিন্ন ক্লাব যেমন বিতর্ক, সঙ্গীত, শিল্পকলা, খেলাধুলা, পাঠ, যুব, বিজ্ঞান বা ইকো ক্লাবগুলি শিক্ষার্থীদের মধ্যে জীবন দক্ষতা, শব্দ, আত্মমর্যাদা গড়ে তোলা, আত্মবিশ্বাস এবং স্থিতিস্থাপকতা বিকাশের জন্য সহায়ক। বিদ্যালয়কে শেখার জন্য একটি আনন্দদায়ক স্থান হিসেবে গড়ে তোলার লক্ষ্যে, বিদ্যালয়গুলি ছাত্র ও শিক্ষক উভয়ের জন্য কার্যক্রমের আয়োজন করে। গৃহীত কিছু কার্যক্রম হল কালা উৎসব, ভূমিকা খেলা প্রতিযোগিতা, ব্যান্ড প্রতিযোগিতা, সঙ্গীত শিক্ষক প্রতিযোগিতা এবং লোক-নৃত্য প্রতিযোগিতা। এনইপি স্কুলগুলিকে "সামাজিক চেতনা কেন্দ্র" হিসাবে ব্যবহার করার কল্পনা করেছে। বাস্তবায়নে সর্বোত্তম সমন্বয় এবং এই সংস্থানগুলির দক্ষ ব্যবহার SDG4 অর্জনের পথ প্রশস্ত করবে।



বেসরকারী, এনজিও, নাগরিক সমাজ সংস্থার সাথে সম্প্রদায়ের অংশগ্রহণ এবং অংশীদারিত্ব-সর্বনিম্ন প্রশাসনিক ইউনিটের মধ্যে সীমাবদ্ধ নয়, বৃহত্তর সকল স্টেকহোল্ডারদের মধ্যেই সীমাবদ্ধ হওয়া উচিত। সর্বজনীন মানসম্পন্ন শিক্ষা তখনই অর্জন করা সম্ভব যখন সকল স্টেকহোল্ডার একসাথে সহযোগিতা করবে। সম্প্রদায়ের সদস্যদের নিয়ে স্কুল পরিচালনা কমিটি গঠিত হয় স্কুল উন্নয়ন পরিকল্পনা প্রণয়নের জন্য স্থানীয় কর্তৃপক্ষ। বেসরকারী এবং জনহিতকর সেक्टरের ভূমিকা ইকোসিস্টেমের একটি মূল অংশ পালন করে। তারা দক্ষতার পাশাপাশি উদ্ভাবনী অনুশীলন নিয়ে আসে। সক্ষমতা বৃদ্ধি, অবকাঠামো এবং শিক্ষণ-শেখানো প্রক্রিয়ায় সহায়তার জন্য এনজিও/সিএসও/কর্পোরেটদের সাথে সহযোগিতাও শিক্ষাগত কারণকে যোগ করে। বাড়ির পরামর্শদাতা হিসাবে পিতামাতারাও শেখার ফলাফলের উন্নতির জন্য একটি গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করে। MoE-এর বিদ্যাঞ্জলি উদ্যোগ অবকাঠামোর উন্নয়ন এবং শিক্ষার ফলাফল বৃদ্ধিতে সকলের সমর্থনকে উৎসাহিত করে। শিক্ষায় সর্বজনীন প্রবেশাধিকার নিশ্চিত করতে জনগণের সহায়তায় ঝরে পড়া এবং স্কুলের বাইরে থাকা শিশুদের সমস্যাগুলি সহজেই সমাধান করা যেতে পারে।

সকল মন্ত্রণালয় ও বিভাগের সাথে অভিন্নতা

এসডিজি অর্জনের জন্য সকল মন্ত্রণালয়/বিভাগের সাথে অভিন্নতা গুরুত্বপূর্ণ, কারণ সব লক্ষ্যই আন্তঃসম্পর্কিত এবং পরস্পর নির্ভরশীল। স্কুল এবং গ্রাম পর্যায়ের মৌলিক ইউনিটে SDG-এর স্থানীয়করণের জন্য সমস্ত স্কিমগুলিকে আরও বেশি প্রভাব ফেলতে একত্রিত করার আহ্বান জানানো হয়। এটি প্রচেষ্টা, সম্পদ এবং শক্তির নকল এড়ায় এবং প্রদান করে সমন্বয়ে কাজ করার সুযোগ। ECCE সংযোগের জন্য WCD মন্ত্রকের সাথে, নিরাপদ পানীয় জল এবং স্যানিটেশনের জন্য পানীয় জল ও স্যানিটেশন মন্ত্রক, শ্রম ও কর্মসংস্থান মন্ত্রকের সাথে শিশুশ্রম থেকে প্রত্যাহার করা সমস্ত শিশুদের নিয়মিত আশেপাশের স্কুলগুলিতে সফল মূলধারায় উন্নীত করার জন্য প্রচেষ্টা করা হচ্ছে, প্রকল্প এইডস/অ্যাপ্রায়েন্স ক্রয়/ফিটিং এর জন্য প্রতিবন্ধী ব্যক্তিদের সহায়তা। স্কুলে খেলার মাঠ, সীমানা প্রাচীর, র‍্যাম্প, টয়লেট ইত্যাদির ব্যবস্থা করার জন্য স্বাস্থ্য ও পরিবার কল্যাণ মন্ত্রকের স্কুল হেলথ প্রোগ্রাম, এমআরডি এবং স্বনির্ভর গোষ্ঠীগুলির মাধ্যমে স্কুল ইউনিফর্মের ব্যবস্থা, পানীয় জল সরবরাহের জন্য MoPR, বর্জ্য পুনর্ব্যবহার, স্কুলের রক্ষণাবেক্ষণ। টয়লেট এবং রান্নাঘর সহ প্রাপ্তনো স্কুলগুলিতে ভারত নেট পরিষেবা সম্প্রসারণের জন্য DoT, দক্ষতার উদ্যোগের জন্য MSDE, খেলা ইতিমধ্যে বৃহত্তর অংশগ্রহণের জন্য এবং যুব স্বচ্ছাসেবকদের স্কুলে সংযুক্ত করার জন্য ক্রীড়া ও যুব বিষয়ক বিভাগ। গ্রাম পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনা (GPDP) এর মাধ্যমে, SDG4 অর্জনের জন্য সমগ্র শিক্ষা এবং PM POSHAN-এর বিভিন্ন হস্তক্ষেপ স্কুল স্তরে পরিকল্পনা ও বাস্তবায়ন করা যেতে পারে।



সংযুক্ত করার জন্য ক্রীড়া ও যুব বিষয়ক বিভাগ। গ্রাম পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনা (GPDP) এর মাধ্যমে, SDG4 অর্জনের জন্য সমগ্র শিক্ষা এবং PM POSHAN-এর বিভিন্ন হস্তক্ষেপ স্কুল স্তরে পরিকল্পনা ও বাস্তবায়ন করা যেতে পারে।

COVID-19 महामारी एवं स्थानीयकरणের প্রয়োজন

COVID-19 মারাত্মকভাবে প্রভাবিত হয়েছে শিক্ষা জ্বল বন্ধ হওয়ার ফলে বাচ্চাদের পড়াশুনা এবং সুস্থতার উপর প্রভাব পড়ে। মহামারী দেখিয়েছে যে এই ধরনের দুর্ঘটনা মোকাবেলায় স্থানীয় পর্যায়ে ব্যবস্থাপনা গুরুত্বপূর্ণ এবং কার্যকর। আমরা জ্বল এবং গ্রাম পর্যায়ে শিক্ষার্থীদের শেখা অব্যাহত রাখার জন্য অসংখ্য প্রচেষ্টা দেখেছি। যখন জ্বলগুলি বন্ধ করতে বাধ্য করা হয়েছিল এবং বাইরে থেকে কোনও সাহায্য সম্ভব ছিল না, তখন স্থানীয় পর্যায়ে বিভিন্ন পদক্ষেপ যেমন- মহালা পাঠশালা, বাড়ির দেয়াল আঁকার মাধ্যমে শিক্ষার্থীদের শেখানো ইত্যাদি শিক্ষার ধারাবাহিকতা বজায় রাখতে এবং শেখার ক্ষতি এবং শিক্ষাগত ক্ষতি হ্রাস করার জন্য গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করেছিল। ফাঁক প্রকৃতপক্ষে, স্থানীয়করণ সমস্ত পরিস্থিতিতে এর উদ্দেশ্য অর্জনের জন্য সিস্টেমকে আরও স্থিতিস্থাপক করতে সহায়তা করে।

উপসংহার

শিক্ষা টেকসই উন্নয়ন, জাতি গঠন ও শান্তির শক্তি। SDGs স্থানীয়করণ স্থানীয় উন্নয়ন নীতির জন্য একটি কাঠামো প্রদান করতে পারে এবং সারা দেশের মানুষের বিভিন্ন প্রয়োজন মেটাতে পারে। সর্বজনীন মানসম্পন্ন শিক্ষার লক্ষ্য অর্জনের জন্য "এক আকার, সকলের জন্য উপযুক্ত" পদ্ধতি থাকতে পারে না। SDG India Index বিভিন্ন SDG-তে রাজ্যগুলির কর্মক্ষমতা তুলনা করে। জেলা ও গ্রাম পর্যায়ে এসডিজি সূচক স্থানীয়করণের আরও প্রয়োজন রয়েছে। এটি তাদের স্তরে এসডিজি অর্জনের জন্য নীতি প্রণয়ন, বাস্তবায়ন এবং পারফরম্যান্স পরিমাপের জন্য তাদের প্ররোচিত করবে এবং উত্সাহিত করবে। স্থানীয়করণ গণ পর্যায়ে আমাদের সক্ষমতা বাড়াবে। শিক্ষার জন্য SDG অর্জন 2030 সালের মধ্যে অন্যান্য সমস্ত লক্ষ্য অর্জনকে উত্সাহিত করবে, যখন বিশ্ব বসবাসের জন্য একটি ভাল জায়গা হবে।

জাতীয় পঞ্চায়েত পুরস্কার সংস্কার করা হয়েছে

* ডঃ বিজয় কুমার বেহেরা - I.E.S.



1 পটভূমি:

1.1 পঞ্চায়েতগুলি SDG অর্জনের জন্য ফ্ল্যাগশিপ ফ্রিম/কর্মসূচী বাস্তবায়নে মুখ্য ভূমিকা পালন করে। পঞ্চায়েতগুলিকে উৎসাহিত করা এবং তাদের পুরস্কার প্রদান করা উন্নয়নমূলক পরিকল্পনাগুলির সামগ্রিক বাস্তবায়নের জন্য একটি সুস্থ এবং প্রতিযোগিতামূলক ইকোসিস্টেম তৈরির একটি অবিচ্ছেদ্য অঙ্গ। তাই, পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক পঞ্চায়েত ফ্রিম প্রণোদনার অধীনে জাতীয় পঞ্চায়েত পুরস্কারগুলির মাধ্যমে সেরা পারফরম্যান্সকারী পঞ্চায়েতগুলিকে উত্সাহিত করেছে, যা পুনর্গঠিত রাষ্ট্রীয় গ্রাম স্বরাজ অভিযান (RGSA)- এর কেন্দ্রীয়ভাবে স্পনসরকৃত প্রকল্পের একটি কেন্দ্রীয় উপাদান। এই পুরস্কারগুলি সাধারণত প্রতি বছর 24 শে এপ্রিল দেওয়া হয়, 73 তম সংবিধান সংশোধনী আইন, 1992 24 শে এপ্রিল, 1993 থেকে কার্যকর হওয়ায় জাতীয় পঞ্চায়েতি রাজ দিবস হিসাবে পালিত হয়।

1.2 মন্ত্রক একটি বিশেষজ্ঞ কমিটি দ্বারা প্রস্তুত পঞ্চায়েতি রাজ প্রতিষ্ঠানের মাধ্যমে টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যমাত্রার স্থানীয়করণ (LSDGs) সংক্রান্ত প্রতিবেদন প্রকাশ করেছে। কমিটি তার প্রতিবেদনে 2030 সালের মধ্যে SDG অর্জনের জন্য এগিয়ে যাওয়ার উপায় হিসাবে স্থানীয় (গ্রাম পঞ্চায়েত) স্তরে পদক্ষেপের জন্য 17 টি এসডিজি সমন্বিত করে 9 টি থিম চিহ্নিত করেছে।) স্বাস্থ্যকর গ্রাম, (iii) শিশুবান্ধব গ্রাম, (iv) পানি পর্যাপ্ত গ্রাম, (v) পরিচ্ছন্ন ও সবুজ গ্রাম, (vi) গ্রামে স্বয়ংসম্পূর্ণ অবকাঠামো, (vii) সামাজিকভাবে সুরক্ষিত গ্রাম, (viii) সুশাসন সহ গ্রাম এবং (ix) নারীবান্ধব গ্রাম।

* অর্থনৈতিক উপদেষ্টা, পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক

2. যুক্তি:

অর্থনৈতিক উন্নয়ন এবং সামাজিক ন্যায়বিচার নিশ্চিত করার জন্য সংবিধানের পার্ট-IX এ তালিকাভুক্ত 29টি বিষয়ের উপর পঞ্চায়েত স্তরে SDG অর্জনের জন্য এবং বিভিন্ন পরিবেশ-সামাজিক উন্নয়ন কর্মসূচিতে অংশগ্রহণের জন্য একটি পদ্ধতিগত পরিকল্পনা, বাস্তবায়ন, পর্যবেক্ষণ এবং জবাবদিহিতার জন্য PRI-কে ধাক্কা দেওয়া, ব্লক, জেলা, রাজ্য/ইউটি এবং জাতীয় স্তরে পুরস্কার প্রতিযোগিতার একটি বহু-স্তরের পিরামিডিক্যাল কাঠামো প্রতিষ্ঠার জন্য জাতীয় পঞ্চায়েত পুরস্কারগুলিকে 9টি এলএসডিজি থিমের সাথে সারিবদ্ধ করার লক্ষ্যে পুনর্গঠন করা হয়েছে:

- 9টি চিহ্নিত থিমের মাধ্যমে এসডিজি অর্জনে পিআরআই-এর কর্মক্ষমতা মূল্যায়ন করুন
- পিআরআই-এর মধ্যে প্রতিযোগিতামূলক মনোভাব উন্নীত করুন
- 2030 সালের মধ্যে এলএসডিজি অর্জনের তাৎপর্য সম্পর্কে পিআরআই-এর মাধ্যমে এসডিজির স্থানীয়করণ প্রক্রিয়াকে অনুঘটক করা এবং পিআরআই-কে সংবেদনশীল করা।

4. প্রক্রিয়া/কাঠামো/নির্বাচন:

4.1 সংশোধিত জাতীয় পঞ্চায়েত পুরস্কারগুলি সমস্ত পঞ্চায়েতকে 9 টি পুরস্কারের থিমে অংশগ্রহণ করার জন্য একটি প্র্যাটফর্ম প্রদান করবে। সমস্ত পঞ্চায়েত প্রতিটি থিমের অধীনে তাদের পারফরম্যান্সের ভিত্তিতে র‍্যাঙ্ক করা হবে। তাদের কর্মক্ষমতা ব্লক স্তরের বিষয়ভিত্তিক কমিটি দ্বারা মূল্যায়ন করা হবে এবং 3 জন শীর্ষস্থানীয় জিপিএকে জেলা স্তরের প্রতিযোগিতার জন্য সুপারিশ করা হবে। আরও জেলা এবং রাজ্য/ইউটি জাতীয় স্তরের প্রতিযোগিতার জন্য প্রতিটি থিমের অধীনে 3 জন শীর্ষস্থানীয় GP-দের মূল্যায়ন ও সুপারিশ করবে। বিভিন্ন স্তরের বাছাই কমিটিগুলি জিপিএদের কর্মক্ষমতা মূল্যায়নের জন্য নোডাল বিভাগ/মন্ত্রণালয়কে নিযুক্ত করবে।

4.2 প্রতিটি থিমের জন্য থিম্যাটিক সিলেকশন কমিটি নিজ নিজ স্তরে পুরস্কারপ্রাপ্ত পঞ্চায়েত নির্বাচন করবে। রাজ্য/কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলি পঞ্চায়েতগুলিকে অনুপ্রেরণা দেওয়ার জন্য ব্লক, জেলা এবং রাজ্য/ইউটি স্তরের পুরস্কারপ্রাপ্তদের নগদ বা প্রকারে পুরস্কৃত করতে এবং পুরস্কৃত করতে পারে।

5. উত্তরের জন্য প্রশ্রাবলী

প্রতিটি থিমের জন্য প্রশ্রাবলী MoPR দ্বারা তৈরি করা হয়েছে মন্ত্রক/বিভাগ এবং রাজ্য/কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলির সাথে পরামর্শ করে সারা দেশে সমস্ত গ্রাম পঞ্চায়েতের মূল্যায়ন এবং র‍্যাঙ্কিং করার জন্য।

6. PRIs দ্বারা অংশগ্রহণ:

সংশোধিত ব্যবস্থার অধীনে, সমস্ত (প্রায় 256 লক্ষ) জিপিএ এবং অনুরূপ স্তরের ঐতিহ্যবাহী স্থানীয় সংস্থাগুলিকে 9টি বিষয়ভিত্তিক পুরস্কারের অধীনে অংশগ্রহণ করতে হবে।

7. पुरस्कारों के विभाग:

7.1 जातीय स्तर पर दूरी विभागे ग्राम, ब्रुक एवं जेला पञ्चायतके पुरस्कार देओया हवे:

- दीनदयाल उपाध्याय पञ्चायत सतत बिकास पुरस्कार (ब्यक्तिगत थिम-डिडिक्त पारफरम्याणेर जना)
- नानाजि देशमुख सर्वेडुम पञ्चायत सतत बिकास पुरस्कार (समड थिमेर अधीने सामग्रिक कर्मकमतार जना)।

7.2 एडि छाडाओ, निगलिथित बिशेष विभागे पुरस्कारगुलिओ बिबेचना करा हइ:

- ग्राम उर्जा ब्रराज बिशेष पञ्चायत पुरस्कार नवायनयोग्या शक्तिर उतुस ग्रहण ओ ब्यवहारेर जना।
- नेट-जिरो कार्बन निःसरण अर्जनेर जना दुष्टानुमूलक काजेर जना कार्बन निरपेक्ष बिशेष पञ्चायत पुरस्कार।
- नानाजि देशमुख सर्वेडुम पञ्चायत सतत बिकास पुरस्कार जिपिदेर जना या परवती बहरगुलितेओ जातीय पञ्चायत पुरस्कारेर जना योग्यता अर्जन करे एवं संकिसु तालिकाडुडु हइ ।
- पञ्चायत कमत निर्माण सर्वेडुम संस्था पुरस्कार तादेर जना यारा एल.एस.डि.जि अर्जने जिपिदेर प्रातिष्ठानिक सहायता प्रदान करेहे।
- सेवा अंशग्रहणकारी राजा/इडिडि/जेला/ब्रुक पञ्चायत।

8. पुरस्कारों के अन्य स्ट्यान्डार्ड अपारेडिं पद्धति:

8.1 मनुक राजा केन्द्रशासित अङ्कलगुलिर साधे निगलिथित नधिगुलि प्रसुत एवं भाग करेहे:

- स्ट्यान्डार्ड अपारेडिं प्रसिडिडि (SoP), राजा/उट, जेला एवं ब्रुक स्तरेर आधिकारिकदेर पुनर्गठित पुरस्कार संक्रान्त क्यसकेडिं मोड अफ ओरियेन्टेशनेर समयसीमा सह एवं ग्राम पञ्चायतगुलिर द्वारा अनलाइन प्रभावली पुरणेर प्रक्रिया पर्यबेक्षण करा।
- जातीय पञ्चायत पुरस्कार पोर्टाले आवेदन/डेटा एडिडि संक्रान्त प्रयुक्तिगत दिक सम्पर्के एसओपि

8.2 संस्कारकृत जातीय पञ्चायत पुरस्कार आवेदन प्रक्रियार उपर दिकनिर्देशना प्रदानेर जना लाइन विभागगुलिर राजा / केन्द्रशासित अङ्कलेर आधिकारिकदेर, यारा एडिके आरओ एडिके क्यसकेडिं मोडे पञ्चायति राजा इनस्टिडिडिशन (पिआरआई) पर्युत छडिडे देवे, पुनर्गठित जातीय जना रोड म्यापेर प्रसुतिर उपर एडिके जातीय लेखार दोकान पञ्चायत पुरस्कारेर आयोजन करा हयेछिल 16-18 इ आगस्ट, 2022, नतुन दिग्लिते। एडि इडेन्डिटर समय, बहं स्केल अंशग्रहणेर जना समग्र पुरस्कार ब्यवहार जनप्रियकरण एवं प्रचारेर जना जातीय मिडिया कौशलओ उपस्थापन करा हयेछिल याते राजा/केन्द्रशासित अङ्कलगुलि तादेर स्तर एडि तैरि करते सकुम हइ।

9. पुरस्कार पोर्टाल:

जातीय पञ्चायत पुरस्कार पोर्टाल (www.panchayataward.gov.in) एर जना ग्राडिफर्म सरबराह करवे:

- पञ्चायत द्वारा पुरस्कारेर जना आवेदन।
- बिडिडि स्तर (जातीय, राजा / केन्द्रशासित अङ्कल, जेला एवं ब्रुक) अभियोजन एवं प्रभावली पुरण पर्यबेक्षण करा।

পঞ্চায়েতগুলিতে টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যগুলির স্থানীয়করণের দিকে যাত্রা

* CB, বিভাগ, পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক

1. ভারত টেকসই উন্নয়নের জন্য 2030 এজেন্ডায় স্বাক্ষরকারী এবং তাদের অর্জনের জন্য প্রতিশ্রুতিবদ্ধ। NITI Aayog হল টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্য (SDGs) বাস্তবায়নের জন্য নোডাল প্রতিষ্ঠান। NITI Aayog জাতীয় সূচক ফ্রেমওয়ার্ক ডেটা ব্যবহার করে SDG ইন্ডিয়া সূচক তৈরি করেছে। বিভিন্ন মন্ত্রণালয় এবং তাদের ক্ষিমেগুলি SDG এবং লক্ষ্যমাত্রা দিয়ে ম্যাপ করা হয়েছে।

2. পদক্ষেপ যে ভারতের প্রায় 70% গ্রামীণ এলাকায় বাস করে, জাতীয় স্তরে টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্য অর্জনের জন্য পঞ্চায়েতি রাজ প্রতিষ্ঠানগুলির মাধ্যমে তৃণমূল স্তরে পদক্ষেপের প্রয়োজন হবে। তাই পঞ্চায়েতি রাজ প্রতিষ্ঠান বিশেষ করে গ্রাম পঞ্চায়েতগুলির ভূমিকা SDG-এর স্থানীয়করণে অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ।

3. পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক SDG-এর প্রতি একটি বিষয়ভিত্তিক দৃষ্টিভঙ্গি তৈরি করেছে যেখানে 9টি থিম তৈরি করা হয়েছে। এই থিমগুলির প্রত্যেকটিই বেশ কয়েকটি SDGs কভার করে।

Theme	Related SDGs	Theme	Related SDGs
1. Power For Village and Livelihood	SDG 7: Affordable and Clean Energy SDG 8: Decent Work and Economic Growth SDG 9: Industry, Innovation and Infrastructure SDG 10: Reduced Inequalities SDG 11: Sustainable Cities and Communities SDG 13: Climate Action SDG 17: Partnerships for Goal	2. Clean and Green Village	SDG 6: Clean Water and Sanitation SDG 11: Sustainable Cities and Communities SDG 12: Responsible Consumption and Production SDG 13: Climate Action SDG 14: Life Below Water SDG 15: Life on Land
2. Health Village	SDG 3: Good Health and Well-being SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality SDG 8: Decent Work and Economic Growth SDG 10: Reduced Inequalities SDG 11: Sustainable Cities and Communities	3. Skillful Youth Village	SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality SDG 8: Decent Work and Economic Growth SDG 10: Reduced Inequalities SDG 17: Partnerships for Goal
3. Climate Resilient Village	SDG 13: Climate Action SDG 14: Life Below Water SDG 15: Life on Land SDG 17: Partnerships for Goal	4. Food Security Village	SDG 2: Zero Hunger SDG 3: Good Health and Well-being SDG 4: Quality Education SDG 5: Gender Equality SDG 8: Decent Work and Economic Growth SDG 10: Reduced Inequalities SDG 11: Sustainable Cities and Communities SDG 12: Responsible Consumption and Production SDG 13: Climate Action SDG 14: Life Below Water SDG 15: Life on Land

4. একটি থিম্যাটিক পদ্ধতি অবলম্বন করা সহজ বোঝার সক্ষম হবে; সম্প্রদায়ের সম্পৃক্ততার সাথে পঞ্চায়েত দ্বারা গ্রহণ ও বাস্তবায়ন।

5. এই থিমগুলির প্রত্যেকটিই বেশ কয়েকটি SDGs কভার করে, যেগুলি বিভিন্ন মন্ত্রণালয় এবং ক্ষিমেগুলিতে ম্যাপ করা হয়, একটি বিষয়ভিত্তিক পদ্ধতি গ্রহণ করে। অতএব, এটি সম্পদের একীকরণের দিকে পরিচালিত করবে এবং পঞ্চায়েত স্তরে তাদের প্রাপ্যতা বৃদ্ধি করবে।

6. নিম্নে উল্লিখিত হস্তক্ষেপের সিরিজগুলি SDG-এর স্থানীয়করণের প্রক্রিয়াকে এগিয়ে নিয়ে যাওয়ার জন্য তৈরি করা হয়েছে যা কেন্দ্রীয় মন্ত্রক, রাজ্য সরকার, জাতিসংঘ সংস্থা, শিক্ষা প্রতিষ্ঠান, CSO এবং অন্যান্যদের সাথে একত্রে কাজ করে তৃণমূলে অবিরতভাবে কাজ করার দিকে মনোযোগ আকর্ষণ করে।

7. 2018-19 থেকে 2021-22 পর্যন্ত বাস্তবায়িত RGSAs-এর ক্ষিমেটি 01.04.2022 থেকে 31.03.2026 পর্যন্ত বাস্তবায়নের জন্য 13.04.2022 তারিখে সরকার কর্তৃক পুনর্গঠিত এবং অনুমোদিত হয়েছে। পুনর্গঠিত ক্ষিমের ফোকাস হল পঞ্চায়েতি রাজ প্রতিষ্ঠানগুলিকে স্থানীয় স্বশাসন এবং অর্থনৈতিক প্রবৃদ্ধির প্রাপ্যতা কেন্দ্র হিসাবে পুনঃকল্পনা করা এবং তৃণমূল পর্যায়ে টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যগুলির (SDGs) স্থানীয়করণের উপর বিশেষ ফোকাস করা বিষয়ভিত্তিক পদ্ধতি গ্রহণ করা।

8. আন্তঃমন্ত্রণালয় সভা (পানীয় জল ও স্যানিটেশন, পল্লী উন্নয়ন, মহিলা ও শিশু উন্নয়ন, শিক্ষা, স্বাস্থ্য ও পরিবার কল্যাণ, সামাজিক ন্যায়বিচার ও কর্মসংস্থান, পশুপালন, দুগ্ধজাত, মৎস্য, নতুন ও পুনর্নবীকরণযোগ্য শক্তি এবং ভূমি সম্পদ মন্ত্রণালয়/ বিভাগ) সংশ্লিষ্ট কেন্দ্রীয় মন্ত্রকগুলি এলএসডিজি অর্জনের জন্য অভিন্ন প্রচেষ্টার জন্য সংগঠিত।

9. এলএসডিজি এগিয়ে নেওয়ার জন্য অভিন্ন ক্রিয়াকলাপের জন্য সংশ্লিষ্ট কেন্দ্রীয় মন্ত্রক/বিভাগের সাথে এমওপিআর রাজ্যগুলিকে থিম-ভিত্তিক যৌথ পরামর্শ জারি করেছে।

10. গ্রামীণ ভারতে এলএসডিজি-র জন্য একসঙ্গে কাজ করার জন্য 21টি মন্ত্রকের 26টি বিভাগ দ্বারা যৌথ রেজোলিউশনও স্বাক্ষরিত হয়েছে, যা সত্যিকার অর্থে সম্পূর্ণ সরকারি পদ্ধতিকে মূর্ত করে।

11. হাইব্রিড মোডে SDG-এর স্থানীয়করণে সময়বদ্ধ হস্তক্ষেপের জন্য রাজ্য / কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলির প্রকৃতির স্তর এবং কর্মপরিকল্পনা বোঝার লক্ষ্যে চারটি আঞ্চলিক কর্মশালা সংগঠিত হয়েছিল।

12. এলএসডিজিতে সংশ্লিষ্ট ডোমেনে তাদের সহায়তার জন্য জাতিসংঘ সংস্থাগুলির (ইউনেসফ, ইউএনডিপি, ইউএনএফপিএ এবং ডব্লিউএইচও) সাথে বৈঠকের আয়োজন করা হয়েছে। অধিকন্তু, তৃণমূল পর্যায়ে LSDG-তে সহযোগিতামূলক কাজের জন্য AKAM-এর সময় এই সংস্থাগুলির সাথে সমঝোতার বিবৃতি (SoU) স্বাক্ষরিত হয়েছিল।

13. প্রশিক্ষণের উপকরণ তৈরির জন্য MoPR দ্বারা 8টি বিষয়ভিত্তিক কমিটি গঠন করা হয়েছে।

- শক্তিশালী ডেটা শেয়ারিং মেকানিজম ডেভেলপ করা।
- GPDG এর নির্দেশিকা এবং বিন্যাসকে LSDG ভিত্তিক করার জন্য সংশোধন করা।

- পঞ্চায়েত উন্নয়ন সূচক (PDI) প্রস্তুত করা হচ্ছে।
- 2014 সালে তৈরি করা জাতীয় সক্ষমতা বিন্দিং কাঠামোকে এলএসডিজি ভিত্তিক করার জন্য পুনর্বিবেচনা করা।
- থিম্যাটিক এলাকায় LSDGs প্রশিক্ষণ মডিউল।
- পঞ্চায়েতের মাধ্যমে এলএসডিজিকে মূলধারায় আনার জন্য কোর কমিটি।

14. মন্ত্রণালয় 11-17 এপ্রিল, 2022 পর্যন্ত SDG-এর স্থানীয়করণের উপর জোর দিয়ে আজাদি কা অমৃত মহোৎসবের অধীনে আইকনিক সপ্তাহ উদযাপন করেছে। এতে লাইন মন্ত্রী, রাজ্য পঞ্চায়েতি রাজ বিভাগ এবং এসআইআরডি, পিআরআই এবং ঐতিহ্যবাহী স্থানীয় সংস্থা (টিএলবি) এর মনোনীত নির্বাচিত প্রতিনিধি (ইআর), ইউএন এজেন্সি, একাডেমিক প্রতিষ্ঠান, ডোমেন বিশেষজ্ঞ এবং দেশ জুড়ে অন্যান্য স্টেকহোল্ডারদের অংশগ্রহণ জড়িত ছিল, যারা সত্যিকার অর্থে তারা সরকার এবং সমাজের সমগ্র পদ্ধতির।



15. मन्त्रक राज्या / केन्द्रशासित अঞ্চलগুলিকে 24শে এপ্রিল, 2022-এ জাতীয় পঞ্চায়েতি রাজ দিবস উপলক্ষে একটি বিশেষ গ্রাম সভা আয়োজন করার জন্য অনুরোধ করেছিল যেখানে 1 থেকে 3টি থিমের সম্পৃক্ততার জন্য সংকল্প নেওয়া হবে।
16. 30-31 মে, 2022 তারিখে NIRD এবং PR-এ SDG-এর ক্ষেত্রে 11টি রাজ্যের সাথে LSDG-এর দিকে রোডম্যাপ এবং কর্মের পরিকল্পনা তৈরির বিষয়ে ধারণাগুলির ক্রস-শেয়ারিং-এ একটি কর্মশালার আয়োজন করা হয়েছিল।
17. 4-6 জুলাই, 2022 তারিখে সমস্ত রাজ্য / কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলগুলির সাথে পঞ্চায়েতের মাধ্যমে LSDG-এর স্টেট প্ল্যান অফ অ্যাকশন এবং রোডম্যাপ তৈরির জন্য 3 দিনের জাতীয় লেখার দোকানের আয়োজন করা হয়েছে।
18. থিম 6: স্বয়ংসম্পূর্ণ অবকাঠামো সহ গ্রাম চণ্ডীগড়, পাঞ্জাব-এ থিম 4 এবং 5: পুনে, পাঞ্জাব-এ জল পর্যাপ্ত এবং পরিচ্ছন্ন গ্রাম এবং থিম 1: দারিদ্র্যমুক্ত এবং উন্নত জীবিকা-এ থিম্যাটিক অ্যাপ্রোচের মাধ্যমে 2 দিনের জাতীয় কর্মশালা। কেরালার এরনালুলামে গ্রামীণ আয়োজন করা হয়েছে।
19. MoPR রাজ্যগুলিকে SIRDs/ETCs/PRTCs/SPRCs/DPRCs/BPRCs ইত্যাদির অনুমত সদস্যদের প্রত্যেককে 5টি জিপি বরাদ্দ করার পরামর্শ দিয়েছে যাতে GPDG-এর মাধ্যমে সংকল্প হিসাবে গৃহীত থিমগুলি অর্জনের জন্য পঞ্চায়েতগুলিকে হ্যান্ড হোল্ডিং/মেন্টরিং সহায়তা প্রদান করা হয়।
20. পরিকল্পনা প্রক্রিয়ায় বিষয়ভিত্তিক পদ্ধতির একীকরণের লক্ষ্যে মাধ্যমে GPDG নির্দেশিকা সংশোধন করা হয়েছে।
21. এলএসডিজির থিমগুলির সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ কার্যক্রমগুলিকে হাইলাইট করার জন্য ইগ্রামসারাজ পোর্টালের বৈশিষ্ট্যগুলি সংশোধন করা হয়েছে।
22. GPDG-এর প্রস্তুতিতে থিমগুলির একীকরণের উপর ফোকাস নিয়ে পিপলস প্ল্যান ক্যাম্পেইন চালু করা হয়েছে।

पञ्चायेते विषयभित्तिक पद्धतिर माध्यमे टेकसई उन्नयन लक्ष्यमात्रार (एलएसडिजी) स्थानीयकरणे उपर 2 दिनेर जातीय कर्मशाला

थिम 6: - स्वयंसम्पूर्ण परिकाठामो सह ग्राम
22 एवं 23 आगस्ट, 2022, चण्डीगड़, पाञ्जाब



Village with Self-Sufficient Infrastructure

संक्षिप्त विवरण:-

पञ्चायेते राज मन्त्रक PRIs-ते टेकसई उन्नयन लक्ष्यगुलिर (LSDGs) स्थानीयकरणे प्रक्रियाटि आक्कर करछे. एई लक्ष्य, 'सरकार एवं समग्र समाज' पद्धतिते विभिन्न स्टेकहोल्डरके एकटि फोरामे एकत्रित करार जन्य आमामे प्रचेष्टा हयेछे.

पञ्चायेते राज मन्त्रक ग्रामीण एलाकाय पञ्चायेत एवं अन्याय प्रासङ्गिक स्टेकहोल्डरकेर क्मतायनेर माध्यमे तृणमूल ङरे टेकसई उन्नयन लक्ष्यमात्रार स्थानीयकरणे (LSDGs) जन्य एकटि विषयभित्तिक पद्धति ग्रहण करछे. टेकसई उन्नयन लक्ष्यगुलिर स्थानीयकरणे थिमगुलि निम्नरूपा.



- थिम 1: ग्रामे दारिद्र्यामुक्त एवं उन्नत जीविका
- थिम 2: स्वास्थ्यकर ग्राम
- थिम 3: शिक्ष-वाक्कव ग्राम
- थिम 4: पानि पर्याप्त ग्राम
- थिम 5: परिच्छम ओ सबुज ग्राम
- थिम 6: स्वयंसम्पूर्ण परिकाठामो सह ग्राम
- थिम 7: सामाजिकभावे सुरक्षित एवं सामाजिकभावे न्याय ग्राम
- थिम 8: सुशासन सह ग्राम
- थिम 9: नारी वाक्कव ग्राम

• पियाली राय चौधुरी

पञ्चायेत विभिन्न उन्नयनमूलक च्यालेङ्ग येमन दारिद्र्या, जनस्वास्थ्य, पुष्टि, शिक्षा, लिङ्ग, स्यानिटेशन, पानीय जल, जीविका उन्नयन इत्यादिर केद्रे एकटि गुरुत्वपूर्ण भूमिका पालन करे या SDG-एर साथे सामञ्जस्यपूर्ण। तई, सुशासनेर जन्य 9टि विषयभित्तिक पद्धति अवलम्बन करे SDG-एर स्थानीयकरणे पञ्चायेतगुलिके मूल खेलायाड हिसेवे चिह्नित करा हय। एई ङकते, थिमे थिम्याटिक आयाप्रोचेर माध्यमे पञ्चायेतगुलिते टेकसई उन्नयन लक्ष्यगुलिर (एलएसडिजी) स्थानीयकरणे उपर 2-दिनेर जातीय कर्मशाला: - 22 एवं 23 आगस्ट, 2022 थेके पाञ्जाबे स्वयंसम्पूर्ण परिकाठामो सह ग्राम आयोजन करा हयेछे। समस्त राज्येर प्रतिनिधिरा / केन्द्रशासित अञ्चलगुलि जातीय कर्मशालाय अंशग्रहण करेछे। रास्ता, पानीय जल, स्यानिटेशन, स्विटलाइट, कुल, स्वास्थ्य केन्द्र, साधारण परिषेवा केन्द्रगुलिर केद्रे स्वयंसम्पूर्ण परिकाठामो बिकाशेर माध्यमे मौलिक परिषेवागुलि सरबराह करार जन्य सारादेशे पञ्चायेतेर 1300 जन निर्वाचित प्रतिनिधिरा विभिन्न सेरा अनुशीलन एवं उद्भावनी मडेलेर मुखामुथि हयेछेन। स्थानीय बाजार, अन्नओयाडि केन्द्र, प्राणिसम्पद सहायता केन्द्र एवं कमिउनिटि सेन्टर।



कर्मशालार उद्देश्य: - राज्य / केन्द्रशासित अञ्चलगुलि क्मता वृद्धि एवं प्रशिक्षणेर प्रेक्कापटे अनुकरणीय कौशल, पद्धति, अभिसारी पदकेप एवं उद्भावनी मडेलगुलि प्रदर्शन करेछे; सेरा अनुशीलन; ग्राम पञ्चायेत उन्नयन परिकल्पना (GPDP)-ते SDG-एर थिमगुलिर प्रतिफलन, प्रणेदना एवं प्रतिफलन काठामो पर्यवेक्कण।

• परामर्शदाता, CB विभाग, पञ्चायेते राज मन्त्रक

कर्मशालाएं फलफूल :-

এই কর্মশালাটি তৃণমূল পর্যায়ের লেন্স থিম্যাটিক পদ্ধতির মাধ্যমে LSDG-এর প্রক্রিয়াকে প্রাতিষ্ঠানিকীকরণের জন্য বিভিন্ন মডেলে পঞ্চায়েতদের পিয়ার লার্নিংয়ের জন্য একটি প্র্যাটফর্ম প্রদান করবে। অধিকন্তু, এটি আন্তর্জাতিক সংস্থার মাধ্যমে তথ্য/ধারণা বিনিময়ের সুযোগ প্রদান করবে এবং স্থানীয় শাসন ব্যবস্থায় বিনিময় কর্মসূচি

শ্রী কপিল মোরেশ্বর পাতিল, মাননীয় প্রতিমন্ত্রী, পঞ্চায়েতি রাজ, শ্রী কুলদীপ সিং ধালিওয়াল, মাননীয় গ্রামোন্নয়ন ও পঞ্চায়েত মন্ত্রী এবং পাঞ্জাব রাজ্যের ক্যাবিনেট মন্ত্রীরা, সচিব, MoPR, সচিব, পানীয় জল ও স্যানিটেশন বিভাগের সচিব, মুখ্য সচিব, পাঞ্জাব, আর্থিক কমিশনার, যুগ্ম সচিব, MoPR এবং অন্যান্য উর্ধ্বতন কর্মকর্তারা বিভিন্ন প্রযুক্তি এবং উদ্ভাবনী মডেল গ্রহণের মাধ্যমে প্রাতিষ্ঠানিক থিম্যাটিক পদ্ধতির মাধ্যমে পঞ্চায়েতগুলিতে টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যগুলির স্থানীয়করণের প্রক্রিয়াকে অনুপ্রেরণা দেওয়ার বিষয়ে উল্লেখযোগ্য মতামত দিয়ে অনুষ্ঠানটি উপভোগ করেন। গ্রামবাসীদের মৌলিক সেবা।



কর্মশালায়, এল.এস.ডিজি-তে পাঞ্জাব রাজ্যের গৃহীত কয়েকটি উদ্যোগ গণ্যমান্য ব্যক্তির এই প্রক্রিয়ার গতি বজায় রাখার জন্য চালু করেছেন যেমন SDG অ্যাঙ্কেম; রাজ্য গ্রামীণ জীবিকা মিশনের গুয়েবসাইট; প্রাইম মোবাইল অ্যাপ; SDG রোশিওর এবং গ্রামসভার পুস্তিকা।



পাঞ্জাবের বিভিন্ন গ্রাম পঞ্চায়েত গৃহীত কৌশল ও পদ্ধতির বিষয়ে তাদের সেরা অনুশীলনগুলি ভাগ করেছে। বিভিন্ন স্টেকহোল্ডারদের সক্ষমতা বৃদ্ধি; প্রযুক্তি ও মডেল গ্রহণ এবং তথ্যবিল/ফিল্মগুলির সাথে অভিসারী ম্যাপিং

এবং স্বাস্থ্য খাতে মানসম্পন্ন সেবা প্রদান নিশ্চিত করতে স্বয়ংসম্পূর্ণ অবকাঠামো গড়ে তোলার জন্য মানবসম্পদ; পানি পান করছি; শিক্ষা সাধারণ সেবা কেন্দ্র; রাস্তা সংযোগ; স্থানীয় বাজার, বিনোদন কেন্দ্র; জীবনযাত্রার স্বাচ্ছন্দ্যের জন্য রাস্তার আলো এবং স্যানিটেশন। গ্রাম পঞ্চায়েতের নির্বাচিত প্রতিনিধিরা স্বয়ংসম্পূর্ণ পরিকাঠামোর বিভিন্ন দিকের ভাল অনুশীলনগুলিকে কভার করে শর্ট ফিল্মগুলি ভাগ করে নিয়েছিলেন। গ্রাম পঞ্চায়েতের সরপঞ্চ/সভাপতি গ্রাম পর্যায়ে উদ্ভাবনী মডেলগুলিকে প্রতিলিপি করার লক্ষ্যে অন্যান্য পঞ্চায়েত প্রতিনিধিদের সাথে ভাল মামলা বিনিময় করার সুযোগ পেয়েছিলেন।



সর্বোত্তম অনুশীলন দেখানো গ্রাম পঞ্চায়েতের নাম নিচে উল্লেখ করা হয়েছে :-

সেক্টর	গ্রাম পঞ্চায়েত
শিক্ষা	সংঘোল
স্বাস্থ্য	রুরকা কালান, জলন্ধর।
জল সরবরাহ এবং স্যানিটেশন	সাম্বলরা।
ICDS/AWC	এসবিএস নগর

বিভিন্ন হস্তশিল্পের প্রদর্শনী স্টল; কুটির শিল্প এবং গ্রামীণ উদ্যোগগুলি স্বনির্ভর গোষ্ঠী (SHG), পাঞ্জাবের SRLM দ্বারা স্থাপন করা হয়েছিল। SHG সদস্যরা স্থানীয় উদ্যোক্তা দক্ষতার প্রচারের জন্য বিভিন্ন খামার এবং অ-কৃষি পণ্য প্রদর্শন করে।

বিভিন্ন রাজ্যের গ্রাম পঞ্চায়েতগুলির প্রতিনিধিরা উদ্ভাবনী মডেল এবং কৌশল এবং স্বয়ংসম্পূর্ণ পরিকাঠামোর সাথে সুশাসনকে শক্তিশালী করার জন্য আধুনিক প্রযুক্তির প্রয়োগের উপর ফোকাস করে তাদের কেস স্টাডি শেয়ার করেছেন। গ্রামীণ জনপদের সরপঞ্চ গ্রামীণ এলাকায় SDGs স্থানীয়করণের প্রক্রিয়া তুলে ধরে শর্ট ফিল্ম/সিনেমাগুলি দেখিয়েছিলেন।



পাঞ্জাবের সমৃদ্ধ সংস্কৃতি, ঐতিহ্যবাহী লোকদের চিত্রিত করার জন্য সাংস্কৃতিক রাতের আয়োজন করা হয়েছিল। অনুষ্ঠানটি গানের মাধ্যমে বিভিন্ন ঐতিহ্য ও সাংস্কৃতিক ঐশ্বর্যের উপর আলো ফেলেছে; নাচ এবং বলিয়ান।

এগিয়ে নিতে:-

- এ. ধিম্যাটিক পদ্ধতির মাধ্যমে গ্রামীণ এলাকায় LSDG-এর প্রাতিষ্ঠানিকীকরণে গ্রাম পঞ্চায়েত দ্বারা গৃহীত সর্বোত্তম অনুশীলনগুলি বিনিময়ের জন্য প্র্যাটফর্ম।
- বা. গ্রাম পঞ্চায়েতের আত্মবিশ্বাসের বিকাশের মাধ্যমে দক্ষতা ও জ্ঞানের রূপান্তর।
- কি. সর্বোত্তম অনুশীলনের সংগ্রহস্থল / আর্কাইভ।
- ড. LSDG-এর লেপের মাধ্যমে গ্রাম পঞ্চায়েতের সক্ষমতা বৃদ্ধি।
- এ. এক ফোরামে নির্বাচিত প্রতিনিধিদের মেলা বা সঙ্গম।
- ফ. হস্তশিল্প এবং গ্রামীণ কারিগরদের মাধ্যমে স্থানীয় ঐতিহ্য ও সংস্কৃতির প্রতিকৃতি।

টেকসই উন্নয়নের জন্য জাতিসংঘের এজেন্ডা 2030 উপলব্ধি করা দারিদ্রমুক্ত গ্রাম পঞ্চায়েত নিয়ে জাতীয় কর্মশালা

দারিদ্র্যমুক্ত গ্রাম পঞ্চায়েতের উপর জাতীয় কর্মশালা: স্টেকহোল্ডারদের জন্য একটি ফ্রস-লার্নিং

* শুদ্ধসত্ত্ব বারিক এবং প্রিয়াঙ্কা দত্ত



সহায়ক পঞ্চায়ত সতর্ক বিকাশ

দারিদ্র-মুক্ত এবং জীবিকা বর্ধিত গ্রাম পঞ্চায়েত- এর উপর একটি জাতীয় কর্মশালা 14 তারিখে কেরালা সরকারের স্থানীয় স্ব-সরকার বিভাগ (LSGD) এবং কেরালা ইনস্টিটিউট অফ লোকাল অ্যাডমিনিস্ট্রেশন (KILA), এর সহযোগিতায় MoPR দ্বারা আয়োজিত

CIAL- কনভেনশন সেন্টার, কোচি, কেরালায় 16 নভেম্বর 2022।
উদ্দেশ্যগুলি বেশিরভাগই জোর দিয়েছিল:



- * থিম 1: দারিদ্র্যমুক্ত এবং বর্ধিত জীবিকা গ্রাম পঞ্চায়েত স্টেকহোল্ডারদের মধ্যে প্রচার এবং সমর্থন করা।
- * তৎমূলে লেস থিম্যাটিক পদ্ধতির মাধ্যমে LSGD-এর প্রক্রিয়াকে প্রাতিষ্ঠানিক রূপ দেওয়ার জন্য বিভিন্ন মডেলে পিআরআই সদস্যদের পিয়ার লার্নিংয়ের জন্য একটি প্র্যাটফর্ম প্রদান করা।
- * উত্সাহজনক স্থানীয় শাসনকে শক্তিশালী করার জন্য বিভিন্ন স্টেকহোল্ডারদের তথ্য, ধারণা এবং ক্রিয়াকলাপ বিনিময় করা।
- * সামর্থ্য-নির্মাণ প্রশিক্ষণের প্রেক্ষাপটে মূল এবং অনুকরণীয় কৌশল, পন্থা, অভিসারী কর্মের ঠিকানা এবং উদ্ভাবনী মডেলগুলি প্রদর্শন করা; থিম-নির্দিষ্ট সমস্যা এবং উদ্বেগের উপর সর্বোত্তম অনুশীলন; নিরীক্ষণ কাঠামো, প্রণোদনা এবং জিপিডিপিতে এসডিজির থিমের প্রতিফলন।

3 দিনের ইভেন্টের মধ্যে, প্রথম দুই দিনে প্যানেল আলোচনার সেশন রয়েছে। উদ্বোধনী অধিবেশন সহ মোট সাতটি অধিবেশন গ্রামীণ এলাকায় দারিদ্র্য বিমোচনের প্রধান দিকগুলিকে সঞ্ছাধন করার জন্য ডিজাইন করা হয়েছিল। প্রতিটি প্যানেলে সেরা পারফরমিং জিপি, কার্যকারী এবং স্ব-সহায়ক গোষ্ঠীর (এসএইচজি) সদস্য, সরকারি কর্মকর্তা, ডোমেন বিশেষজ্ঞ, এনজিও, ইউএন এজেন্সি, একাডেমিক প্রতিষ্ঠান এবং আর্থিক প্রতিষ্ঠান থেকে সংশ্লিষ্ট মন্ত্রক ও বিভাগের সচিবদের সভাপতিত্বে প্যানেলিস্ট হিসেবে ইআর এবং ইউভিউআর রয়েছে।

অধিবেশনের বিবরণ হল:



- উদ্বোধনী অধিবেশন।
- প্রান্তিককরণ-অন্তর্ভুক্তি এবং বহুমাত্রিক দারিদ্র্যের সমাধান।
- সম্প্রদায় উন্নয়নের জন্য স্বনির্ভর গোষ্ঠীর সম্ভাবনা উপলব্ধি করা।
- জীবিকা - আয় দারিদ্র্য মোকাবেলায় পঞ্চায়েতগুলির ভূমিকা।
- পঞ্চায়েতের মাধ্যমে সামাজিক, অর্থনৈতিক এবং পরিবেশগত সুরক্ষার জন্য নিরাপত্তা জালা।
- কেরালা রাজ্য থেকে দারিদ্র্যমুক্ত এবং উন্নত জীবিকা GPs-এর সর্বোত্তম অনুশীলন।
- পথ এগিয়ে।
- সারাদেশে দারিদ্র্যমুক্ত এবং উন্নত জীবিকা থিমের অধীনে 42 জন সেরা পারফরম্যান্সকারী জিপি-র জন্য অংশগ্রহণকারীদের - ERs, EWR ফাংশনারিজ, এবং PRI আধিকারিক এবং রাজ্য / কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলের SHG সদস্যদের ফিল্ড/এক্সপোজার ভিজিটের জন্য মনোনীত করা হয়েছিল। কেরালার জেলাগুলি।

- * 1 সিনিয়র কনসালটেন্ট (L.S.D.G.) C.B. বিভাগ, পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক
- * 2 পরামর্শদাতা (L.S.D.G.) C.B. বিভাগ, পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক

জাতীয় কর্মশালার দুই দিনের মধ্যে কেরলা রাজ্যের কুদুম্বশ্রী উদ্যোগের অধীনে SHG গোষ্ঠীগুলি অন্যান্য রাজ্যের দলগুলির সাথে মোট 50টি প্রদর্শনী স্টল স্থাপন করেছিল। স্টলগুলি স্বনির্ভর গোষ্ঠী দ্বারা উত্পাদিত পণ্যগুলি প্রদর্শন করে যার মধ্যে রয়েছে কাঁচামাল, খাদ্য পণ্য, গৃহসজ্জা, মশলা, পোশাক, গহনা, পর্যটন, শিল্প সামগ্রী ইত্যাদি।

টার্গেটেড স্টেকহোল্ডার:

কর্মশালার উদ্দেশ্য তৃণমূলে শেষ মাইল পর্যন্ত LSDG-এর বিষয়ভিত্তিক পদ্ধতির তথ্য ও জ্ঞান ছড়িয়ে দেওয়া। অতএব, কর্মশালার প্রাথমিক স্টেকহোল্ডাররা ER, জিপি সচিব এবং SHG সদস্যরা। সেকেন্ডারি স্টেকহোল্ডাররা হল সরকারি কর্মকর্তা, ডোমেইন বিশেষজ্ঞ, এনজিও, আইএনজিও, একাডেমিক প্রতিষ্ঠান এবং আর্থিক প্রতিষ্ঠান। তৃতীয় স্টেকহোল্ডার হল জাতীয় এবং আঞ্চলিক মিডিয়া। সুতরাং, পিআরআই-এর মাধ্যমে গ্রামীণ উন্নয়নের জন্য 'পুরো বাস্তবস্থান' পদ্ধতি অর্জন করা যেতে পারে।

পর্যবেক্ষণ: সমস্যা চিহ্নিতকরণ এবং ঠিকানা

কর্মশালাটি তাদের নিজ নিজ এলাকায় বহুমাত্রিক দারিদ্র্য দূরীকরণে সারাদেশে বিভিন্ন জিপি এবং ঐতিহ্যবাহী স্থানীয় সংস্থা (টিএলবি) দ্বারা গৃহীত সর্বোত্তম অনুশীলনগুলি ভাগ করে নেওয়ার জন্য একটি প্র্যাটফর্ম হিসাবে কাজ করেছে। এটি কেরলার GPs দ্বারা গৃহীত উদ্যোগ শেয়ার এবং প্রতিলিপি করার জন্য মাঠ পরিদর্শনের মাধ্যমে নির্বাচিত প্রতিনিধিদের সক্ষমতাও বৃদ্ধি করেছে। সুতরাং কর্মশালার মূল পর্যবেক্ষণগুলি নিম্নরূপ:



প্রান্তিককরণ সম্বোধন:

- প্রান্তিক জনগোষ্ঠীর জন্য সশস্ত্রী মূল্যের আবাসনের জন্য স্থানীয়ভাবে উপলব্ধ স্বল্প মূল্যের উপকরণ ব্যবহার করা।
- ডিজিটাল সাক্ষরতা দুর্বল গোষ্ঠীর অনলাইন প্র্যাটফর্মের মাধ্যমে বিভিন্ন পরিষেবার অ্যাক্সেস নিশ্চিত করে।
- কল্যাণমূলক কর্মসূচিতে সহায়তার জন্য প্রজন্মের ওএসআর।

মৌলিক স্বাস্থ্যসেবা এবং শিক্ষায় প্রবেশাধিকার:

- প্রান্তিক ও অরক্ষিত জনগোষ্ঠী, বিশেষ করে বয়স্ক জনসংখ্যার জন্য উপশমমূলক যত্নের ব্যবস্থা।
- গর্ভবতী মহিলা এবং স্তন্যদানকারী মায়াদের স্বাস্থ্যের যত্নের জন্য একটি জীবনচক্র পদ্ধতির উদ্যোগ নেওয়া।

- বহুমাত্রিক দারিদ্র্য দূরীকরণে একটি অভিসারী পরিকল্পিত পন্থা অবলম্বন এবং নিয়মিত পর্যবেক্ষণ।

কর্মসংস্থান সৃষ্টি এবং আয় বৃদ্ধি:

- সৌর শক্তি উৎপাদনের মাধ্যমে আয় বৃদ্ধি করা।
- কৃষি ও অ-কৃষি উৎপাদনশীলতা এবং বিপণন উন্নত করার জন্য অবকাঠামোগত সুবিধা এবং যন্ত্রপাতি নির্মাণের মাধ্যমে কৃষকদের আয় বৃদ্ধি করা।
- জীবিকার উন্নয়নের জন্য হস্তশিল্প এবং তাঁত এবং ঐতিহ্যবাহী কারিগরে স্বনির্ভর গোষ্ঠীর সম্পৃক্ততা।
- SHG সদস্যদের দ্বারা খাদ্য প্রক্রিয়াকরণ, স্টোরেজ, এবং পণ্য বিপণন।

আর্থ-সামাজিক এবং পরিবেশগত সুরক্ষা:

- সচেতনতা বৃদ্ধি, সুবিধাভোগীদের শনাক্তকরণ এবং জাতীয় সামাজিক সহায়তা কর্মসূচি (NSAP) স্কিম বাস্তবায়নের উপর নজরদারি করা।
- টেকসই জীবিকা তৈরি করা, বহিরাগত স্থানান্তর রোধ করা, দুর্বল সম্প্রদায়ের আর্থনৈতিক সুরক্ষা এবং MGNREGS-এর মাধ্যমে পরিবেশ সুরক্ষা।
- দুর্যোগ ব্যবস্থাপনা পরিকল্পনা প্রণয়নে সক্রিয় জনগণের অংশগ্রহণ এবং জিপিডিপিতে এর একীকরণ।
- গ্রামীণ দারিদ্র্য হ্রাস পরিকল্পনা (ভিপিআরপি) প্রণয়ন এবং জিপিডিপির সাথে এর একীকরণ।
- IIT-এর একাডেমিক এবং আর্থিক প্রতিষ্ঠানগুলির সাথে PRI সংযোগ এবং NABARD কারিগরি এবং প্রযুক্তিগত সহায়তা এবং আয়ের সম্ভাব্য উত্সগুলিকে ট্যাপ করার জন্য আর্থিক সহায়তার জন্য।
- টেকসই জীবিকার সুযোগের জন্য মৃতপ্রায় ইকোসিস্টেমগুলিকে সংশোধন করার জন্য এনজিও, নাগরিক এবং সরকার দ্বারা অভিন্ন পদক্ষেপ।

উদ্দিষ্ট ফলাফল:

কর্মশালার মূল উদ্দেশ্য ছিল জাতিসংঘের এজেন্ডা 2030 অর্জনের শেষ মাইল পর্যন্ত শিমগুলির বৃহত্তর সচেতনতা এবং প্রচার নিশ্চিত করা। এর ভিত্তিতে, কর্মশালার উদ্দেশ্যপ্রণোদিত ফলাফলগুলি প্রত্যাশিত:

- vi. বিষয়ভিত্তিক GPDP প্রস্তুত করার জন্য ERs বিশেষ করে EWR এবং SHG সদস্যদের মধ্যে সিদ্ধান্ত গ্রহণের ক্ষমতার মাধ্যমে নেতৃত্ব বৃদ্ধি।
- ii. স্থানীয় এলাকার উন্নয়নের জন্য পরিবর্তন-নির্মানের একটি পুল তৈরি করা।
- iii. পরিকল্পিত অভিসারী দৃষ্টিভঙ্গি এবং সম্প্রদায়ের সম্পৃক্ততার মাধ্যমে ওএসআর তৈরি, কর্মসংস্থান সৃষ্টি এবং উদ্যোগ উন্নয়নের জন্য পিআরআই-এসএইচজি কনভারজেন্স।
- iv. এলএসডিজি লোগো জনপ্রিয় করার মাধ্যমে একটি বিষয়ভিত্তিক পদ্ধতিতে জনসাধারণের সচেতনতা তৈরি করা।

पञ्चायति राज मन्त्रकेर eGramSwaraj एबं अडिटी अनलाइन ई-गभनेसोर जना जातीय पुरकारेर अधीने ग्वाड अ्याग्यार्ड जितेछे

पञ्चायत राज मन्त्रकेर ई-पञ्चायत मिशन मोड प्रजेक्ट (ईग्रामस्वराज एबं अडिटीअनलाइन) ई-गभनेसोर जना जातीय पुरकारेर डिजिटल ट्रांस्फरमेशनेर जना सरकारी प्रक्रिया पुनःप्रकौशलेर श्रेष्ठ विभागेर अधीने स्वर्ण पुरकार जितेछे।

पुरकाराटि टिम ई-गभर्न्यास एबं टिम NIC-MoPR द्वारा समर्थित चमत्कार एबं अनुकरणीय काजेर शीकृति।

शे नभेधर 2022- ए जम्मुते ई-गभनेसोर उपर 25तम जातीय सम्मेलनेर समय केन्द्रीय मन्त्री डक्टर जितेन्द्र सिंग द्वारा श्री अलोक प्रेम नगर, युग्म सचिव, एमओपीआर-एर काछे सम्मानजनक जातीय पुरकार हस्तान्तर करा हयेछि।

विभिन्न सेटकहोन्डार, विशेष करे पञ्चायति राज प्रतिष्ठान यारा ई-पञ्चायत अप्पिकेशनकुलिके खुब मुत ग्रहण करेछे, तारा पञ्चायति राज बावहाके शक्तिशाली करे एबं एटिके कार्थकर, स्वच्छ एबं दम्क करे ई-पञ्चायत मिशन मोड प्रकल्पके सफल करते साहाया करेछे।

(छवि आलादाभावे मेईलेर साथे संयुक्त करा हबे)



पञ्चायति राज मन्त्रकेर इग्राम श्वराज एबं अडिऑ अनलाइन इ-गभर्नेसैर जन्य जातीय पुरस्कारेर अधीने श्वर्ण जितेछे



पञ्चायति राज मन्त्रकेर इ-पञ्चायत मिशन मोड प्रकल्प (इग्रामश्वराज एबं अडिऑअनलाइन) इ-गभर्नेसैर जन्य जातीय पुरस्कारेर "डिजिटल ट्रांसफरमेशनेर जन्य सरकारी प्रक्रियार पुनःप्रकोशलेर श्रेष्ठत्व" विभागेर अधीने गोल्डेन पुरस्कार जितेछे।

टिम इ-गभर्नेस एबं टिम NIC-MOPR द्वारा समर्थित चमत्कार एबं अनुकरणीय काजेर शीकृतिश्वरूप एहि पुरस्कार।

26 नभेधर 2022-ए जन्मुते इ-गभर्न्यासैर उपर 25तम जातीय सम्मेलनेर समय केन्द्रीय प्रतिमन्त्री डः जितेन्द्र सिं एमओपिआरेर युग्म सचिव श्री अलोक प्रेम नगरके सम्मानजनक जातीय पुरस्कार प्रदान करेदिलेन। विभिन्न स्टेकहोल्डर, विशेष करे पञ्चायति राज प्रतिष्ठान, यारा खुब द्रुत इ-पञ्चायत अप्लिकेशन ग्रहण करेछे, पञ्चायत राज व्यवहारे शक्तिशाली एबं कार्यकर, स्वच्छ एबं दक्ष करे इ-पञ्चायत मिशन मोड प्रकल्पके सफल करेते साहाय्य करेछे।



ড.পি.পি. বালান মহাত্মা গান্ধী আন্তর্জাতিক পুরস্কারে সম্মানিত

* পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক



এলা গান্ধী, গান্ধী ডেভেলপমেন্ট ট্রাস্ট, ডারবান, দক্ষিণ আফ্রিকার চেয়ারপারসন ড. পিপি বালানকে সংবর্ধিত করেছেন দক্ষিণ আফ্রিকার ডারবানে ফিনিঞ্জ সেটেলমেন্টে শান্তি ও পুনর্মিলনের জন্য মহাত্মা গান্ধী আন্তর্জাতিক পুরস্কার (2020)।

ডঃ পিপি বালান, পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রকের পরামর্শক, শান্তি ও পুনর্মিলনের জন্য মহাত্মা গান্ধী আন্তর্জাতিক পুরস্কার (2020) জিতেছেন। এই পুরস্কারটি গান্ধী ডেভেলপমেন্ট ট্রাস্ট, ডারবান দ্বারা গঠিত এবং 2 অক্টোবর, 2022-এ ট্রাস্টের চেয়ারপারসন এলা গান্ধী দক্ষিণ আফ্রিকার ডারবানে ফিনিঞ্জ সেটেলমেন্টে আয়োজিত একটি অনুষ্ঠানে ডঃ পিপি বালানকে প্রদান করেন। তাকে দেওয়া উদ্ভূতিটিতে বলা হয়েছে, "স্থানীয় সরকারে অংশগ্রহণের জন্য গ্রামীণ সম্প্রদায়ের সক্ষমতা বৃদ্ধি এবং ক্ষমতায়নের প্রতি সর্বোচ্চ সততা, মানবিকতা এবং সহানুভূতির সাথে সম্পাদিত শান্তি, মানবাধিকার এবং ন্যায়বিচারের প্রচারে তার অসামান্য কাজের স্বীকৃতিস্বরূপ। এর ফলে কাঠামোগুলি তাদের স্থানীয় পর্যায়ে সততা ও পরিশ্রমের সাথে সরকারী পরিষেবা প্রদানে এবং সমস্ত প্রান্তিক গোষ্ঠীর অন্তর্ভুক্তি নিশ্চিত করতে গঠনমূলক ভূমিকা পালন করতে সক্ষম করে।"

আগে এই পুরস্কারটি জাতীয় নেতাদের দেওয়া হয়েছিল যেমন নেলসন ম্যান্ডেলা, দালাই লামা, কেনেথ কাউন্টা প্রভৃতি কিন্তু এবার আয়োজকরা পঞ্চায়েতের সাথে কাজ করা একজন ব্যক্তিকে এই ধরণের অধীনে নির্বাচন করেছেন যে প্রকৃত শান্তি স্থানীয় সম্প্রদায় থেকে শুরু হয়।

উন্নয়ন কর্মকাণ্ডের মাধ্যমে কমিউনিটি পর্যায়ে গৃহীত উদ্যোগ শান্তিপূর্ণ সহাবস্থানের জন্য ভালো ফলাফল আনতে পারে, কমিটি মূল্যায়ন করেছে। এ বিষয়ে ডক্টর বালানের অবদানকে পুরস্কারের জন্য গণনা করা হয়। ডাঃ বালান 11 বছর ধরে KILA-এর ডিরেক্টর হিসেবে কাজ করেছেন এবং চাপরাপদাত্ত গ্রাম পঞ্চায়েত সভাপতি (1995-2000) হিসাবে 5 বছর পূর্ণ মেয়াদের দায়িত্ব পালন করেছেন। পঞ্চায়েত সভাপতি হিসাবে তিনি পঞ্চায়েতে উদ্ভাবনী কর্মসূচি চালু করেছিলেন - মাইক্রো হাইডেল প্রকল্প, মোট আবাসন প্রকল্প, জল সংরক্ষণ কর্মসূচি এবং মামলা-মোকদ্দমা মুক্ত পঞ্চায়েত। জনগণের অংশগ্রহণে পঞ্চায়েতে বেশ কিছু কার্যক্রম পরিচালিত হয়। পিপলস ব্রিজ, পিপলস বাস টার্মিনাল, ছাত্রদের খেলার মাঠ এগুলোর মধ্যে কয়েকটি।

(ক) জনসেতু:-

জনগণের সেতুর গল্পটি পঞ্চায়েতের উন্নয়ন কর্মকাণ্ডে জনগণের অংশগ্রহণ সম্পর্কে অনেক কিছু বলে। সেখানে একটি নদী প্রবাহিত হয়েছে যা পঞ্চায়েতকে দুই ভাগে বিভক্ত করেছে। মানুষ পারাপারের জন্য ফেরি সার্ভিসের ওপর নির্ভরশীল। যাতায়াতের জন্য একটি ছোট ডিঙি থাকায় গ্রামবাসীদের জন্য এটি একটি কঠিন সময় ছিল।

রাজ্য সরকারকে সমস্যা সমাধানের জন্য কংক্রিট সেতু নির্মাণের জন্য অনুরোধ করে একটি প্রস্তাব পাস করেছিল। প্রায় পাঁচ কোটির বেশি ব্যয় হওয়ায় পঞ্চায়েতগুলি এ বিষয়ে কিছুই করতে পারেনি। আর্থিক সমস্যার কারণে রাজ্য সরকারও কোনো তহবিল বরাদ্দ করেনি। গ্রামসভায় বিষয়টি নিয়ে আলোচনা করা হয়েছিল যেখানে সভায় উপস্থিত প্রবীণরা স্থানীয় প্রযুক্তি ব্যবহার করে একটি কাঠের সেতু নির্মাণের ধারণা তুলে ধরেন। সুবিধাজনকী কমিটি গঠন করা হয় এবং কাজ শুরু হয়। নভেম্বর, 1996 তারিখে, যেদিন কেরালা রাজ্য তৈরি হয়েছিল। কার্যক্রম শুরু হয় প্রচারণা মোড়ে। দূর-দূরান্ত থেকে মানুষ সংগ্রহ করা নারকেল গাছের স্তূপ যা সেতুর পিলার হিসেবে কাজ করত। স্থানীয় প্রযুক্তি ব্যবহার করে নদীর তলাদেশে নারকেলের গুড়ি আটকে দেওয়া হয়। এরপর ফুটপাথ তৈরি করা হয়। শত শত স্বেচ্ছাসেবক হাতে হাতে মিলিয়ে ব্রিজটি নির্মাণের জন্য স্বেচ্ছায় এক পয়সাও যরচ করেনি পঞ্চায়েত দিনরাত কাজ করে এবং 15 নভেম্বর, 1996 সালে, একটি উৎসবমুখর পরিবেশে সেতুটি গ্রামবাসীদের জন্য খুলে দেওয়া হয়। এই সেতু হয়ে ওঠে আকর্ষণের কেন্দ্রবিন্দু। এটি কেরালায় IX পরিকল্পনার জন্য জনগণের প্রচারণার পণ্য হিসাবে হাইলাইট করা হয়েছিল। এটি হয়ে উঠেছে জনগণের অংশগ্রহণের সেরা উদাহরণ। দূর-দূরান্ত থেকে মানুষ সেতুটির প্রযুক্তি এবং সম্প্রদায়ের সম্পৃক্ততা জানতে আসেন। বিদেশ থেকে আসা দর্শনার্থীরাও তা দেখে মুগ্ধ হন। আমেরিকার 'জেড' ম্যাগাজিন 'মালয়ালী জনগণের কাছে ক্ষমতা' শিরোনামে সেতুটির একটি কভার স্টোরি প্রকাশ করেছে। জনগণের সেতু কিছু গুরুত্বপূর্ণ মেসেজ পাঠায়:

- জনগণের অংশগ্রহণ থাকলে ব্যয় অনেকাংশে কমানো সম্ভব।
- ব্রিজটি নো কস্ট অ্যাক্টিভিটির সবচেয়ে ভালো উদাহরণ।
- কাজ সমাপ্তিতে পরিপূর্ণতা।
- সম্পদের সর্বোচ্চ ব্যবহার।
- জনগণের মালিকানা।
- স্থানীয় প্রযুক্তি এবং জ্ঞানের ব্যবহার।
- গ্রামসভার একটি দাবি বাস্তবায়িত হয়েছে এক মাসের অল্প সময়ের মধ্যে।

(খ) মামলামুক্ত পঞ্চায়েত:-

এমনকি পঞ্চায়েতের বিচারিক ক্ষমতা না থাকলেও বিরোধ নিষ্পত্তির জন্য একটি কমিটি গঠন করা হয়েছিল যাতে হাইকোর্টে বিচারাধীন অনেক মামলা ফিরিয়ে আনা হয় এবং সমঝোতার মাধ্যমে সৌহার্দ্যপূর্ণভাবে নিষ্পত্তি করা হয়। পঞ্চায়েত পরিবেশ সুরক্ষার উপর দৃষ্টি নিবদ্ধ করে এবং চাপরাপাবেদু প্রথম পঞ্চায়েত হয়ে ওঠে যা জৈব বৈচিত্র্য রেজিস্টার প্রস্তুত করেছে।

(গ) মাইক্রো হাইডেল প্রকল্প:-

পঞ্চায়েত একটি মাইক্রো হাইডেল প্রকল্প স্থাপন করে বিদ্যুৎ উৎপাদন করেছে এবং 25টি পরিবারকে বিদ্যুৎ সরবরাহ করেছে। এটা ছিল প্রচলিত আইনের পরিপন্থী। কিন্তু যেহেতু পঞ্চায়েত এটি করেছে, এটি একটি জনগণের প্রকল্প হওয়ায় এটিকে অনুমোদন দেওয়া সরকারের কর্তব্য হয়ে দাঁড়িয়েছে। সরকার পরে পঞ্চায়েতদের অনুকূলে আইনটি সংশোধন করে তাদের শর্ত সহ বিদ্যুৎ উৎপাদনের অনুমতি দেয়। এই ইভেন্টটি দেখায় যে পঞ্চায়েতগুলি, স্থানীয় সরকার হিসাবে, তারা যে কোনও উন্নয়নমূলক কর্মকাণ্ডে হাত দিতে পারে। কেরালা সরকার 1997 সালে বিভিন্ন ক্ষেত্রে তার কৃতিত্বের স্বীকৃতিস্বরূপ পঞ্চায়েতকে স্বরাজ ত্রিফি দিয়ে ভূষিত করেছিল।

ডাঃ বালান কেরালা ইনস্টিটিউট অফ লোকাল অ্যাডমিনিস্ট্রেশনের (2002-2007 এবং 2011-2017) পরিচালক হিসাবেও কাজ করেছেন। এই সময়ের মধ্যে ব্যাপক প্রশিক্ষণ কর্মসূচি - গ্রামসভার সদস্য থেকে শুরু করে সাংসদ এবং বিধায়ক স্তর পর্যন্ত সংগঠিত হয়েছিল। পঞ্চায়েতি রাজ নিয়ে রাজনৈতিক দলের নেতাদের দেওয়া প্রশিক্ষণ উল্লেখযোগ্য। বিভিন্ন রাজনৈতিক দলের নেতারা কাঁধে কাঁধ মিলিয়ে বসে স্থানীয় উন্নয়ন নিয়ে আলোচনা করছেন এক বিরল দৃশ্য। মেসেজটি স্পষ্ট: পঞ্চায়েতি রাজের পুরো ঝর্ণালীতে কাউকে বাদ দেওয়া যাবে না। KILA বিকেন্দ্রীকরণের উপর জাতীয় এবং আন্তর্জাতিক কোর্সও শুরু করেছে যেখানে দক্ষিণ ও পূর্ব এশিয়া এবং আফ্রিকান দেশগুলির নির্বাচিত প্রতিনিধি এবং কর্মকর্তারা অংশগ্রহণ করেছিলেন।

বিকেন্দ্রীকরণের পক্ষে মিডিয়াকে সক্রিয় সমর্থন দিতে হবে বলে তারাও সংবেদনশীল ছিল। রাজ্যগুলির উচ্চ মাধ্যমিক বিদ্যালয়ের ছাত্রদের পঞ্চায়েত নির্বাচনের জন্য ভোট দেওয়ার ব্যয় হওয়ায় পঞ্চায়েতি রাজের উপর অভিযোজন দেওয়া হয়েছিল। 2 মাসের অল্প সময়ের মধ্যে প্রায় 34,00,000 গ্রাম সভার সদস্যদের সংবেদনশীল করা হয়েছিল। নির্বাচিত প্রতিনিধিদের মাস্টার প্রশিক্ষক বানানোর জন্য সার্টিফিকেট কোর্স অনুষ্ঠানের আয়োজন করা হয়েছে আরেকটি উদ্যোগ। সামর্থ্য বিস্তারিত সমস্ত অন্তর্ভুক্ত ছিল কাউকে পিছিয়ে রেখে ডাঃ বালান নেপাল ও শ্রীলঙ্কা সরকারের উপদেষ্টা হিসেবেও কাজ করেছেন। শ্রীলঙ্কার পূর্বাঞ্চলীয় প্রদেশ প্রদেশীয় সভাগুলি ভারতের পঞ্চায়েতগুলির তৈরি পরিকল্পনার একই মডেলে জিপিডিপি তৈরি করেছে।

উপরের সমস্ত দিক বিবেচনা করে, পুরস্কার বিচারক কমিটি একটি ঐকমত্যে পৌঁছেছে যে 2020 সালের গান্ধী শান্তি পুরস্কার স্থানীয় পর্যায়ে কাজ করা একজন ব্যক্তিকে দেওয়া উচিত। তারা একটি অনুসন্ধান কমিটি গঠন করে এবং কমিটি তার 6 মাস তদন্ত এবং মূল্যায়নের পর সর্বসম্মতিক্রমে একজন ব্যক্তিকে যুঁজে পায় অর্থাৎ ডাঃ পিপি বালান বর্তমানে পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রণালয়, নয়াদিল্লিতে সিনিয়র পরামর্শক হিসাবে কর্মরত। শ্রী সুনীল কুমার, সচিব, পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রকের ডক্টর বালানকে দেওয়া সংবর্ধনায় বলেছিলেন যে এই পুরস্কারটি শুধুমাত্র একজন ব্যক্তির জন্য নয়, পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রকের জন্যও একটি পুরস্কার।

পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রকের অভিনন্দন

পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক 21 শে অক্টোবর 2022-এ 'মহাত্মা গান্ধী ইন্টারন্যাশনাল অ্যাওয়ার্ড ফর পিস অ্যান্ড রিকনসিলিয়েশন' প্রাপ্তির জন্য ডক্টর পিপি বালানকে অভিনন্দন জানানোর জন্য একটি সংবর্ধনা অনুষ্ঠানের আয়োজন করে। শ্রী সুনীল কুমার, সচিব, পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক এবং মন্ত্রকের অন্যান্য উচ্চতন আধিকারিকরা ডাঃ বালানকে ভারতে পঞ্চায়েতি রাজ ব্যবস্থাকে শক্তিশালী করার এবং এর ফলে সম্প্রদায়ের মধ্যে শান্তি ও সম্প্রীতির কারণ প্রচারের ক্ষেত্রে অবদানের স্বীকৃতিস্বরূপ এই পুরস্কারে ভূষিত হওয়ার জন্য অভিনন্দন জানিয়েছেন।

ইনসাইড ব্যাক কভার

রাজ্যের পঞ্চায়েতি রাজ শ্রী পার্টিস প্রকল্প চালিত ব্রুক পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনা এবং জেলা পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনার জাতীয় কর্মশালার উদ্বোধন করেছেন

পোস্ট করা হয়েছে: 05 জানুয়ারী 2023 8:53PM পিআইবি দিল্লি দ্বারা

ভারত সরকারের পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রক 5 - 6 জানুয়ারী, 2023 তারিখে নয়াদিল্লিতে প্রকল্প চালিত ব্রুক পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনা (BPD) এবং জেলা পঞ্চায়েত উন্নয়ন পরিকল্পনা (DPDP) এর উপর একটি দুই দিনের জাতীয় কর্মশালার আয়োজন করেছে।



পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রকের সচিব শ্রী সুনীল কুমার, এমওপিআরের প্রাক্তন সচিব ডঃ এস এম বিজয়ানন্দ, প্রাক্তন বিশেষ সচিব ডঃ বালা প্রসাদ এর উপস্থিতিতে পঞ্চায়েতি রাজের কেন্দ্রীয় প্রতিমন্ত্রী শ্রী কপিল মোরেশ্বর পাটিল এই কর্মশালার উদ্বোধন করেন। MoPR এবং শ্রী অলোক প্রেম নগর, যুগ্ম সচিব, পঞ্চায়েত রাজ মন্ত্রণালয়। দেশ জুড়ে জেলা পঞ্চায়েত এবং ব্লক পঞ্চায়েতগুলির নির্বাচিত প্রতিনিধি এবং কর্মীরা এবং বিভিন্ন লাইনের মন্ত্রক/বিভাগ এবং বিভিন্ন সংস্থা/প্রতিষ্ঠান যেমন NABARD, IRMA, UNICEF ইত্যাদির প্রতিনিধি সহ 650 টিরও বেশি প্রতিনিধি দুদিনের কর্মশালায় অংশ নিয়েছিলেন।

শ্রী কপিল মোরেশ্বর পাটিল দুই দিনের জাতীয় কর্মশালায় অংশগ্রহণকারীদের শুভেচ্ছা জানান এবং বলেছিলেন যে জাতীয় কর্মশালাটি একটি উপযুক্ত সময়ে আয়োজন করা হচ্ছে - নতুন বছরের ভোরে - গ্রামীণ এলাকার সর্বাঙ্গিক উন্নয়নের জন্য পরিকল্পনা প্রক্রিয়া শুরু করুন। সবকা সাথ-সবকা বিকাশ, সবকা বিশ্বাস-সবকা প্রয়াসের চেতনায় সবাইকে সঙ্গে নিয়ে চলা। জেলা, ব্লক এবং গ্রাম পঞ্চায়েত স্তরে কাজ করে জাতি গঠন ও উন্নয়নে অবদান রাখা আমাদের সম্মিলিত সিদ্ধান্ত হওয়া উচিত।

শ্রী কপিল মোরেশ্বর পাটিল পঞ্চায়েতি রাজ প্রতিষ্ঠানের মাধ্যমে গ্রামীণ এলাকায় টেকসই উন্নয়ন লক্ষ্যগুলিকে স্থানীয়করণ এবং উপলব্ধি করার জন্য সমস্ত স্টেকহোল্ডারদের সমন্বিত প্রচেষ্টার আহ্বান জানিয়েছেন। ত্রি-স্তর পঞ্চায়েতগুলিকে গ্রাম ও গ্রামীণ এলাকার উন্নয়নের জন্য সর্বোচ্চ অগ্রাধিকার দেওয়া উচিত সমস্ত মৌলিক সুযোগ-সুবিধা তৈরি করে এবং নগর-গ্রামীণ বিভাজন দূর করার জন্য শহুরে শহুরে উপলব্ধ সমস্ত সুযোগ-সুবিধা প্রদান করে।

পঞ্চায়েতি রাজ মন্ত্রকের সচিব শ্রী সুনীল কুমারের সভাপতিত্বে প্রকল্প-চালিত BPDP এবং DPDP-এর প্রযুক্তিগত অধিবেশনে সভাপতিত্ব করেন। তিনি জোর দিয়েছিলেন যে কেন্দ্রীয় সরকার পঞ্চায়েতি রাজ প্রতিষ্ঠানগুলিতে উপলব্ধ সংস্থানগুলি ক্রমাগত উন্নতি করছে এবং পঞ্চদশ অর্থ কমিশনের সুপারিশ অনুসারে গ্রামীণ স্থানীয় সংস্থাগুলির জন্য অনুদান ব্লক এবং জেলা পঞ্চায়েতগুলিকে অন্তর্ভুক্ত করেছে। পঞ্চায়েত রাজ মন্ত্রকের যুগ্ম সচিব শ্রী অলোক প্রেম নগর BPDP এবং DPDP বিশ্লেষণের উপর উপস্থাপনা করেছিলেন।

पञ्चायति राज मन्त्रक 'ग्रामीण जनगोष्ठीर ऋमतायन' विषयक दुई दिनेर स्मार्ट ग्राम पञ्चायत सम्मेलनेर आयोजन करेछे; लखनउते काउके पिछिये नेई



प्रयुक्तिर माध्यमे सरकारेर तृतीय स्तर अर्थात् पञ्चायतगुलिते 'न्यूनतम सरकार, सर्वोच्च शासन' दृष्टिकोणके समर्थन करार जन्य, पञ्चायति राज मन्त्रक 'ग्रामीण सम्प्रदायेर ऋमतायन' विषये दुई दिनेर 'स्मार्ट ग्राम पञ्चायत सम्मेलनेर आयोजन करेछे; 15-16 सेप्टेम्बर 2022 पर्यन्त उत्तरप्रदेशेर लखनउते काउके पिछिये नेई।

आज्जातीय स्तरेर सम्मेलनेर उद्घोषनी अधिवेशनेर नेतृत्वे छिलेन केन्द्रीय ग्रामीण उन्नयन ओ पञ्चायति राज मन्त्री श्री गिरिराज राज सिंग, उत्तर प्रदेशेर मुख्यामन्त्री श्री योगी आदितानाथ एवं पञ्चायति राज प्रतिमन्त्री श्री कपिल मोरेश्वर पाटिल।

तार उद्घोषनी भाषणे श्री गिरिराज सिंग बलेन ये पञ्चायति राज प्रतिष्ठान (पिआरआई) प्रयुक्तिगत अग्रगतिर साथे थाप थाइये निते अनेक दूर एगियेछे। 'स्मार्ट भिलेज' वर्णना करार समय, तिनि उल्लेख करेछिलेन ये तारा एमन सिस्टेम एवं प्रक्रियागुलिके अस्तुर्भुक्त करे या प्रयुक्ति द्वारा चालित हय या वृहत्तर स्रष्टता, दायित्व एवं जेबाबदिहितार दिके परिचालित करे। श्री सिंग विद्यमान प्रयुक्तिर दुश्यायन एवं वास्तवायने केन्द्रीय ओ राज्य सरकार एवं निर्वाचित प्रतिनिधिदेर भूमिकार उपर जेओर देन। एई अनुष्ठाने बकतता दिते गिये, श्री योगी आदितानाथ भारतेर 5 ट्रिलियन डलारेर अर्थनीतिते परिणत हओयार आकाङ्क्षाके चालित करार जन्य उत्तर प्रदेशे पिआरआई-एर अवदानेर उपर जेओर देन। श्री आदितानाथ आरओ उल्लेख करेछेन ये स्मार्ट भिलेज तैरिर सद्दे सरासरी स्रयःसम्पूर्ण परिकठांमे, दायित्वशील नागरिक एवं आचरणगत परिवर्तनेर सम्पर्क रयेछे। तिनि विभिन्न सरकारी ओ वेसरकारी नागरिक केन्द्रिक सेवार बाबहा करार जन्य उच्च गतिर इन्टरनेटेर प्राप्यतार ओपर जेओर देन।

अनुष्ठाने भाषण दिते गिये, श्री कपिल मोरेश्वर पाटिल तृणमूल स्तरे ICT, इन्टरनेट, GIS एवं रिमोट सेन्सिग बाबहार करे सामाजिक, अर्थनैतिक एवं परिवेशगत कल्याणेर दीर्घायु सम्पर्के कथा बलेन। तिनि डिजिटल परिकठांमे, क्रमवर्धमान जनसंख्या एवं अनिवार्य द्रुत नगरायनेर साथे थाप थाइये नेओयार समय पञ्चायतगुलिके ये चाहिसा-सरबराह बाबहापनार मुखामुखि हते हवे तार उपर जेओर देन।

ए उपलक्षे 'टेकसई उन्नयन लक्ष्यमात्रार स्थानीयकरण (एलएसडिजि), ई-लार्निंग मडिउल चालू शीर्षक एकटि बई प्रकाश करार हय। (छवि मेहिलेर साथे संयुक्त करार हवे)

पञ्चायति राज मन्त्रक लखनउते 'ग्रामीण सम्प्रदायेर क्मतायन' थियेर उपर दुइ दिनेर खाँट ग्राम पञ्चायत सम्मेलनेर आयोजन करेछे

पञ्चायति राज प्रतिष्ठानगुलि प्रयुक्तिगत अग्रगतिर साथे खाप खाँये निते अनेक दूर एगियेछे या वृहत्तर सच्छता, दायित्व
एवं जबाबदिहितर दिके परिचालित करे: - श्री गिरिराज सिं



प्रयुक्तिर माध्यमे सरकारेर तृतीय स्तर पञ्चायतगुलिते 'न्यूनतम सरकार, सर्वोच्च शासन' काँके पिछिये ना राखि-एर दृष्टिभङ्गि समर्थन
करार जना, पञ्चायति राज मन्त्रक 'ग्रामबासीदेर क्मतायन' विषये दुदिनेर खाँट ग्राम पञ्चायत सम्मेलन आयोजन करेछे 15- तारिखे।
16 सेप्टेम्बर 2022 लखनउ, उठ्तर प्रदेशे।

जातीय स्तरेर सम्मेलनेर उद्घोषनी अधिवेशनेर नेतृत्वे छिलेन केन्द्रीय ग्रामीण उन्नयन ओ पञ्चायति राज मन्त्री श्री गिरिराज राज सिं,
उठ्तर प्रदेशेर मुख्यमन्त्री श्री योगी आदित्यानाथ एवं पञ्चायति राज प्रतिमन्त्री श्री कपिल मोरेश्वर पाटील।

श्री गिरिराज सिं तार भाषणे बलेछिलेन ये पञ्चायति राज प्रतिष्ठानगुलि प्रयुक्तिगत उन्नतिते अनेक दूर एगियेछे। खाँट भिलेजेर
ब्याखाय तिनि बलेन, एते सच्छता, जबाबदिहिता ओ जबाबदिहितर मात्रा बाडबे।

तिनि विद्यामान प्रयुक्ति ग्रहण ओ बास्तवायने केन्द्रीय ओ राज्या सरकारेर निर्वाचित प्रतिनिधिदेर भूमिकार उपर जोर देन।

अनुष्ठाने बकृतता दिते गिये श्री योगी आदित्यानाथ पञ्चायति राज प्रतिष्ठानेर अवदानेर उपर जोर देन।

तिनि बलेछिलेन ये उठ्तर प्रदेश भारतेर 5 ट्रिलियन डलारेर अर्थनीति हँयार आकाङ्क्षाके एगिये नियो याछे। श्री योगी आदित्यानाथ
आरओ उल्लेख करेछेन ये खाँट ग्राम तैरिर साथे हनिर्भर परिकाठामे, दायित्वशील नागरिक एवं आचरण परिवर्तनेर साथे सरासरी युक्त।
तिनि विभिन्न सरकारी ओ बेसरकारी नागरिक केन्द्रिक परिषेवार विधानेर जना उच्च गतिर इन्टरनेट परिषेवार प्राप्यतार उपरओ जोर
देन।

अनुष्ठाने बकृतता दिते गिये, श्री कपिल मोरेश्वर पाटील, आईसिटी, इन्टरनेट, जिआईएस एवं रिमोट सेसिं-एर माध्यमे तुलमूल स्तर
सामाजिक, अर्थनैतिक एवं परिवेशेर टेकसई कल्याण सम्पर्के कथा बलेन। तिनि चाहिदा-सरबराह ब्यवस्थापनार मजे चालेखुणुलि
उपर जोर दिनेछिलेन, या पञ्चायतगुलिके डिजिटल परिकाठामे, क्रमवर्धमान जनसंख्या एवं दूत अप्रयोजनीय नगरायनेर साथे
मोकाबेला करते हबे।

अनुष्ठाने 'टेकसई उन्नयन लक्ष्यमात्रार स्थानीयकरण (एल.एस.डि.जि), ई-लार्निंग मडिउल चालू शीर्षक एकटि बई प्रकाश करा हय।



Ministry of Panchayati Raj
Government of India



सशक्त पंचायत सतत् विकास



पंचायती राज मंत्रालय द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

मुख्य संपादक: श्री सुनील कुमार, सचिव, पंचायती राज मंत्रालय

पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार, टावर-2, नौवा तल,

जीवन भारती बिल्डिंग, कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली 110001 द्वारा प्रकाशित